आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 12 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 115

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

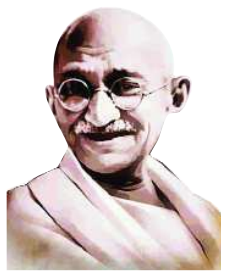

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

आयुक्त का एसटीपी साइटों का निरीक्षण

पेज-2

फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

पेज-5

देर रात हो गए प्रदेश पुलिस ट्रांसफर

पेज-6

संकट : चाय-पोहे की दुकान बंद होने की कगार पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईरान-इजराइल के बीच चल रहे तनाव का असर अब शहर की रसोई और खान-पान कारोबार पर दिखने लगा है। तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसका सीधा असर इंदौर में रोजाना सप्लाई होने वाले 3000 से 3200 कमर्शियल सिलेंडरों पर पड़ेगा। इससे करीब 8 हजार से ज्यादा होटल, रेस्टोरेंट, केटरर्स और छोटे कारोबारियों की बुकिंग प्रभावित होगी।

इंदौर के खानपान कारोबारियों का कहना है कि अगर जल्दी सप्लाई शुरू नहीं हुई तो चाय-पोहे की छोटी दुकानों से लेकर रेस्टोरेंट तक एक-दो दिन में बंद होने लगेंगे। कैटररों के मुताबिक अभी सबसे बड़ी चिंता आने वाले आयोजनों की है। उन्होंने कहा, 2500 लोगों के आयोजन में करीब 40 सिलेंडर लगते हैं। स्टॉल कम करने पर भी 14-15 सिलेंडर चाहिए। ऐसे में अचानक सप्लाई रुकने से आयोजन करना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार कीमत बढ़ा दे या सीमा तय कर दे, लेकिन सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करे।

बदलाव : छप्पन दुकान पर व्यापारियों ने उठाया नया कदम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के मशहूर फूड हब 56 दुकान के व्यापारियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से निपटने के लिए एक अनूठा और भविष्योन्मुखी कदम उठाया है। बाजार में अब पारंपरिक गैस चूल्हों और भट्टियों की जगह आधुनिक इलेक्ट्रिक इंडक्शन का इस्तेमाल किया जाएगा। यह फैसला न केवल गैस की कमी का समाधान करेगा, बल्कि बाजार को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

लंबे समय से मध्य-पूर्व के देशों में तनाव और अन्य कारणों से कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति में कमी देखी जा रही है। इस संकट का असर अब इंदौर के सबसे लोकप्रिय खान-पान के केंद्र 56 दुकान पर भी पड़ने लगा था, जिससे व्यापारियों को अपना व्यवसाय चलाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। व्यापारी एसोसिएशन की योजना सिर्फ इंडक्शन तक ही सीमित नहीं है। भविष्य में पूरे 56 दुकान बाजार को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी चल रही है।

आश्वासन : घबराएं नहीं गैस और पेट्रोल का स्टॉक भरपूर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर की अचानक बढ़ी बुकिंग से हलचल का माहौल बन गया है। कई इलाकों में उपभोक्ता जल्द-जल्द सिलेंडर बुक करा रहे हैं, जिससे लोगों में कमी की आशंका दिखाई दे रही है।

हालांकि जिला प्रशासन ने साफ किया है कि शहर में घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कलेक्टर की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसी, अवंतिका गैस कंपनी के अधिकारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि और एचपीसीएल गैस प्लांट मांगलिया के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शहर में गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए और किसी भी उपभोक्ता को परेशानी नहीं होने दी जाए। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि हाल के दिनों में लोगों में आशंका के कारण गैस सिलेंडर की बुकिंग अचानक बढ़ गई है।

न्यूज ब्रीफ

- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से पार होंगे भारतीय जहाज, जयशंकर-अराघची के फोन कॉल में बनी बात
- महाराष्ट्र विधानसभा भवन को मिला धमकी भरा ईमेल, मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता
- मिडिल ईस्ट में संघर्ष से शेयर मार्केट में हाहाकार, सेंसेक्स में 900 से ज्यादा अंक की गिरावट
- इराक के बसरा बंदरगाह पर ईरान का हमला, हमले के बाद रोका गया तेल का परिचालन
- आतंकी मामले में NIA की पुंछ में छापेमारी
- ईरान का बहरीन पर बड़ा अटैक, इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास के इलाके में लगी भीषण आग
- नोएडा के फेज-2 में एक निजी कंपनी की तीसरी मंजिल में लगी आग, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम
- IRGC ने हिजबुल्लाह के सहयोग से ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 का 40वां चरण किया शुरू
- स्पेन के साथ व्यापारिक रिश्ते खत्म कर सकते हैं : ट्रंप
- मिडिल ईस्ट के लिए आज एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की 58 फ्लाइट्स उड़ान भरेंगी
- किसी भी तरह की इमरजेंसी के लिए तैयार : कैलिफोर्निया के गवर्नर
- होर्मुज में माइन बिछाने वाले ईरान के 54 जहाज तबाह किए : ट्रंप
- BJP चुनाव समिति की बैठक आज, केरल-बंगाल के उम्मीदवारों के नाम पर लगेगी मुहर

मार्च में ही 37 डिग्री का टॉर्चर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मार्च के पहले सप्ताह में ही इंदौर में अधिक तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते जनता को जल्द राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि देशभर में गर्मी बढ़ रही है. दिन का जो अधिकतम तापमान है, वो सामान्य से 5 से 8 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बने रहने की संभावना है. शहर में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे के बीच तक यातायात कम नजर आ रहा है। मौसम में सूर्य की तेज तपन के चलते अब दो पहिया वाहन चालकों को सिग्नल पर एक मिनट भी खड़े रहना भारी पड़ रहा है। शहर में हरियाली का क्षेत्र दिन-प्रतिदिन सिकुड़ता जा रहा है, जिसका परिणाम यह हो रहा है कि सुकून की छांव ढूंढने के लिए राहगीरों को लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। जन सामान्य के बीच मार्च में ही तपती गर्मी के अहसास को लेकर अलग-अलग चर्चाएं चल रही है। बदलते मौसम के चक्र को लेकर भी जनसामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझता नजर आ रहा है। बहरहाल अब मार्च माह की गर्मी की तुलना मई की गर्मी से करके ही जनसामान्य सिहरता नजर आ रहा है।

खाली प्लॉट का संपत्तिकर जमा नहीं किया, तो निगम लगाएगा अपना बोर्ड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन से पहले राजस्व वसूली तेज करने और आगामी नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने समीक्षा बैठक बुलाई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 14 मार्च को होने वाली नेशनल लोक अदालत और 31 मार्च से पहले निगम द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय वर्ष की अंतिम लोक अदालत है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी सक्रियता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक बकाया राजस्व वसूली सुनिश्चित करें।

महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल राजस्व वसूली करना नहीं है, बल्कि करदाताओं को सहयोग और सुविधा प्रदान करना भी है। लोक अदालत में करदाताओं को सरचार्ज में छूट का लाभ मिलता है, जिससे नागरिकों को राहत मिलती है। महापौर भार्गव ने बताया कि जो बकायादार सालों से टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं और खाली प्लॉट रखे हुए हैं, उनके प्लॉट पर निगम अपना बोर्ड लगाएगा। हालांकि यह कब्जा नहीं केवल बकायादार को चेतावनी देना है, ताकि वे अपना बकाया टैक्स तय समय पर जमा करें। महापौर ने संपत्ति नामांतरण से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी जानकारी ली। महापौर ने निर्देश दिए कि 30 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की जांच की जाए और सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए।

बड़े बकायादारों पर नजर

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि होटल, हॉस्टल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक संपत्तियों के बड़े बकायादारों से लगातार संपर्क कर बकाया राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जाए। महापौर भार्गव ने नागरिकों से अपील की कि वे 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में पहुंचकर शासन द्वारा दी जा रही सरचार्ज में छूट का लाभ लें और अपने बकाया संपत्तिकर सहित अन्य राजस्व का भुगतान कर निगम का सहयोग करें।

आवेदन लगाया नक्शे में त्रुटि सुधार का, जमीन ही चली गई

देपालपुर राजस्व विभाग के अधिकारी की कलेक्टर को शिकायत, जमीन के मामले में सेटिंग से हो रहे काम

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

देपालपुर तहसील के ग्राम बडौली होज में एक किसान की पैतृक जमीन को कथित तौर पर राजस्व रिकॉर्ड में दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज कर देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि राजस्व विभाग के कुछ जिम्मेदार कर्मचारियों और संबंधित पक्षों की सांठगांठ से उसकी जमीन को हड़पने की कोशिश की जा रही है। इस पूरे मामले में किसान ने कलेक्टर इंदौर की जनसुनवाई में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

नक्शे की त्रुटि सुधार कराने गया, जमीन ही चली गई-ग्राम बडौली होज निवासी किसान वासुदेव पिता पूंजराज ने बताया कि उसकी पैतृक कृषि भूमि ग्राम बडौली होज, तहसील देपालपुर, पटवारी हल्का नंबर 96 में स्थित सर्वे नंबर 470/3 है, जिसका कुल रकबा लगभग 1.4930 हेक्टेयर है। इस जमीन पर वह वर्षों से खेती करता आ रहा है और यह उसके स्वामित्व व कब्जे में रही है। किसान के अनुसार, राजस्व नक्शे में त्रुटि होने के कारण उसने इसे सुधारने के लिए तहसील कार्यालय देपालपुर में आवेदन प्रस्तुत किया था। लेकिन आरोप है कि त्रुटि सुधारने के बजाय राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने कथित तौर पर प्रेमसिंह तथा उसके बेटों कृष्णा और ईश्वर से सांठगांठ कर जमीन को उनके नाम दर्ज करवा दिया बिना नोटिस, बिना सुनवाई बदल दिया नाम पीड़ित किसान का आरोप है कि राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया में उसे न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही उसकी बात सुनी गई उसका कहना है कि बिना किसी बंटवारा प्रकरण, दस्तावेज या वैध आधार के पटवारी द्वारा गलत रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई और उसी के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी स्तर पर आदेश पारित कर जमीन को दूसरे के नाम दर्ज कर दिया गया। किसान का यह भी आरोप है कि पूरी नामांतरण प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी कर दी गई, जिससे यह संदेह और गहरा हो गया कि पूरा मामला सुनियोजित तरीके से जमीन हड़पने की कोशिश का हिस्सा है। किसान का आरोप है कि अब उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है और लगातार धमकियां दी जा रही हैं। उसने आशंका जताई है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो उसके साथ कोई बड़ी अनहोनी भी हो सकती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है कि सीमित जानकारी और संसाधनों के कारण किसान राजस्व प्रक्रियाओं की जटिलताओं को समझ नहीं पाते। ऐसे में यदि अधिकारी ही अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लें या कथित तौर पर सांठगांठ में शामिल हो जाएं, तो आम किसान के लिए न्याय पाना और भी कठिन हो जाता है।

अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा क्योंकि सवाल केवल एक किसान की जमीन का नहीं है, बल्कि उस विश्वास का है जिसके सहारे किसान अपनी पीढ़ियों की मेहनत से कमाई हुई जमीन को सुरक्षित मानता है और यदि वही जमीन कागजों के खेल में छिनने लगे, तो यह केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं बल्कि पूरे ग्रामीण समाज के लिए एक चिंताजनक संकेत है।

कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

पीड़ित किसान ने कलेक्टर इंदौर को दिए आवेदन में मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उसने आग्रह किया है कि पुराने राजस्व रिकॉर्ड, फौती नामांतरण, पुराने खसरे-खतौनी और अन्य दस्तावेजों की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए यह मामला केवल एक किसान की जमीन का विवाद नहीं है, बल्कि राजस्व व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि किसी किसान की जमीन बिना उचित प्रक्रिया, बिना नोटिस और बिना सुनवाई के दूसरे के नाम दर्ज हो सकती है, तो यह व्यवस्था की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है।

दिग्विजय वाली सीट पर कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का रिस्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में 19 जून को राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रहीं हैं। दो सीटों पर बीजेपी के डॉ.सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन सांसद हैं। कांग्रेस की सीट से दिग्विजय सिंह सांसद हैं। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह राज्यसभा जाने को लेकर इनकार कर चुके हैं। दिग्विजय ने भास्कर से कहा था कि मैं अपनी सीट खाली कर रहा हूं। दिग्विजय के इनकार के बाद कांग्रेस के कब्जे वाली राज्यसभा सीट के लिए छोटे- बड़े नेताओं को मिलाकर करीब दर्जन भर नेता दावेदारी कर रहे हैं। लेकिन, पार्टी के भीतर इस सीट को जीतने के लिए टेंशन का माहौल है।

कांग्रेस के एक सीनियर लीडर जो राज्यसभा की रेस में शामिल हैं वे कहते हैं- हमें तो इस बात का डर है कि कहीं हम ये सीट हार न जाएं। अगर 6 विधायक इधर से उधर हुए तो ये सीट हमारे हाथ से जा सकती है। क्योंकि, बीजेपी की ओर से विधायकों को अगले इलेक्शन की टिकट और अन्य कुछ ऑफर दिए जा रहे हैं। इस मामले पर हमने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से बात की तो उन्होंने कहा- भारतीय जनता पार्टी जब हर जगह तोड़फोड के प्रयास करती है। तो उन्हें वो प्रयास करने दीजिए। लेकिन, हम लोग सब मजबूत हैं। और राज्यसभा सीट कांग्रेस की रहेगी। हमारे पास पर्याप्त विधायक जबलपुर से बीजेपी विधायक अभिलाष पांडे ने कहा- भाजपा अपने काम पर विश्वास रखती है। और हमारे पास इतने ज्यादा नंबर हैं। कांग्रेस अपनी चिंता करे और खुद का आत्ममंथन करे। अभी हाईकोर्ट का भी एक निर्णय आया है। भाजपा के पर्याप्त विधायक हैं।

धनुष-बाण पर आज सुप्रीम कोर्ट में 'आर-पार'

मुंबई (एजेंसी) ● महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा तय करने वाले सबसे बड़े कानूनी विवाद, यानी शिवसेना नाम और 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होने जा रही है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के नेतृत्व वाली खंडपीठ के समक्ष यह मामला कार्यसूची में 40वें नंबर पर सूचीबद्ध है।

यह कानूनी संघर्ष जून 2022 में हुए उस राजनीतिक भूकंप का नतीजा है, जिसने महाराष्ट्र की सत्ता पलट दी थी। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 40 विधायकों की बगावत के बाद, केंद्रीय चुनाव आयोग ने फरवरी 2023 में शिंदे गुट को 'असली शिवसेना' मानते हुए नाम और चुनाव चिह्न उन्हें सौंप दिया था। उद्धव ठाकरे ने इस फैसले को लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

शिवसेना विधायकों की सदस्यता भी अधर में-इस मामले में केवल पार्टी का नाम व चुनाव चिह्न ही दांव पर नहीं है, बल्कि विधायकों की सदस्यता भी अधर में है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिंदे गुट के विधायकों को पात्र ठहराया था। शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु ने इस निर्णय के खिलाफ अलग से याचिका दायर की है।

न्यूज ब्रीफ

श्री परशुराम सेना द्वारा राधा कृष्ण फाग उत्सव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री परशुराम सेना महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणा अग्निहोत्री, विजेंद्र दीक्षित, सुधीर उपाध्याय ने बताया कि 14 मार्च को शाम 6 बजे दशहरा मैदान पर राधा कृष्ण फाग उत्सव आयोजित किया गया है। उपरोक्त फाग उत्सव के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक गन्नू महाराज द्वारा राधा कृष्ण जी के भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी साथ ही छोटे बच्चे जो की 10 वर्ष तक के हैं वह अगर राधा कृष्ण बनकर आते हैं परशुराम सेना द्वारा उनको सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। परशुराम सेना के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा (पप्पी), संदीप शर्मा ने बताया उपरोक्त आयोजन के निमंत्रण सभी को सोशल मीडिया एवं संपर्क करके दिया जा रहा है। दशहरा मैदान पर 19 मार्च से जो प्रेम मंदिर वृंदावन का है वह भी बन रहा है जिसकी खूबसूरत आकृति का निर्माण का लोग अवलोकन करके प्रेम मंदिर का आनंद भी ले सकेंगे।

राजबाड़ा फ्रूट मार्केट में सख्ती, अपर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र राजबाड़ा और कृष्णपुरा स्थित फ्रूट मार्केट क्षेत्र में बुधवार शाम नगर निगम के अपर आयुक्त आकाश सिंह ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को देखकर उन्होंने सख्ती दिखाई। मौका मुआयना करते हुए अपर आयुक्त ने पाया कि कई स्थानों पर दुकानदारों द्वारा तय सीमा से बाहर तक सामान रखा जा रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। इस पर उन्होंने तुरंत निगम के रिमूवल दल को सक्रिय रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रिमूवल दल के सुपरवाइजरों को भी स्पष्ट चेतावनी दी गई कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में फुटपाथ और सड़क आम नागरिकों के लिए हैं, इसलिए निर्धारित सीमा के बाहर किसी भी प्रकार का कब्जा स्वीकार नहीं होगा। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में राजबाड़ा और आसपास के बाजारों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान और सख्ती से चलाया जाएगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम लोगों को परेशानी न हो।

निःशुल्क अभा अग्रवाल वैश्य युवा परिचय सम्मेलन 15 मार्च को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अग्रसेन सोशल ग्रुप, इंदौर द्वारा ओंकारेश्वर मे एक दिवसीय निशुल्क अ. भा. अग्रवाल वैश्य युवा परिचय सम्मेलन 15 मार्च को रविवार 2026 को विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर में किया जा रहा। ग्रुप के समनव्यक राजेश गर्ग, प्रमुख संचालक शिव जिंदल एवं जागदिश अग्रवाल ने बताया की पहली बार अग्रसेन सोशल ग्रुप इंदौर एवं अग्रसेन सोश्यल ग्रुप बड़वाह के सयुक्त तत्वाधान में प्रथम बार निशुल्क अ. भा अग्रवाल वैश्य समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 15 मार्च रविवार को ओंकारेश्वर में जायसवाल अतिथि भवन में किया जा रहा है। संस्था को पहली बार 500 से अधिक युवाओं एंट्रिया प्राप्त हुई है।

'द एलिमेंट्स ऑफ हर' फ्रेगरेंस रेंज लॉन्च की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● तेजी से उभरते फ्रेगरेंस ब्रांड नेक्स्ट केयर इंक. ने महिलाओं के लिए अपनी नई फ्रेगरेंस रेंज 'द एलिमेंट्स ऑफ हर' लॉन्च की है। इस कलेक्शन को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की भावना, शक्ति और व्यक्तित्व को सम्मान देने के लिए प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि नेक्स्ट केयर इंक. ऐसे फ्रेगरेंस बनाने के लिए जाना जाता है जो किफायती होने के साथ-साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक भावनाओं को भी बढ़ावा देते हैं।

आयुक्त का एसटीपी साइटों का निरीक्षण धीमी रफ्तार पर एजेंसी को चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नमामि गंगे अभियान के तहत शहर में चल रहे सीवरेज और जल प्रबंधन प्रोजेक्ट की प्रगति देखने आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बुधवार को कबीटखेड़ी और किला मैदान स्थित निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ जगहों पर काम की गति धीमी मिलने पर उन्होंने निर्माण एजेंसी को फटकार लगाते हुए साइट पर लेबर और संसाधन बढ़ाकर तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

416 करोड़ से बन रहे 3 एसटीपी-आयुक्त ने 120 एमएलडी क्षमता के कबीटखेड़ी एसटीपी और 35 एमएलडी क्षमता के किला मैदान (मंडी सचिव कार्यालय के पास) एसटीपी के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा और परियोजना समय पर पूरी होनी चाहिए। नमामि गंगे अभियान के तहत शहर में करीब 416 करोड़ रुपये की लागत से तीन एसटीपी प्लांट बनाए जा रहे हैं, जिनमें किला मैदान - 35 एमएलडी, कबीटखेड़ी 120 एमएलडी, कनाडिया 40 एमएलडी क्षमता के संयंत्र शामिल हैं। इन परियोजनाओं को आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए शहर की सीवरेज व्यवस्था मजबूत करने के लिए अहम माना जा रहा है।

स्काडा सिस्टम और ट्रेंचलेस कार्य भी देखा निस्केका भी अवलोकन किया, जहां से शहर की जल आपूर्ति, प्रेशर और टंकियों की स्थिति की निगरानी की जाती है। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके अलावा बांगड़दा रोड पर ट्रेंचलेस तकनीक से हो रहे सीवर लाइन कार्य का भी जायजा लिया। आयुक्त ने अधिकारियों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए काम तेजी से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क और यातायात पर कम से कम असर पड़े।निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री आकाश जैन, प्रभात तिवारी सहित संबंधित एजेंसी और कंसल्टेंट के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

शहर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी 51 की बजाय 251 हो- मानपुरवाला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहसचिव जौहर मानपुरवाला ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जिस दिन से प्रदेश कांग्रेस की बागडोर दी है। तभी से वे रात दिन एक कर कड़ी मेहनत से गाँव गांव तक जाकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अपना संपूर्ण योगदान दे रहे हैं और आपके द्वारा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में दिए जा रहे हैं। बयानों से कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह हैं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इसी को देखते हुए,चूंकि इंदौर शहर महानगर का रूप लेता जा रहा है। और यहां पर लाखों की संख्या में कांग्रेस के प्रति ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता है।और वह एक मैसेज /फोन पर कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन आंदोलन में अपना समय निकालकर उपस्थित होता हैं। प्रशासन की लाठी और झूठे मुकदमे की परवाह किए बिना कांग्रेस पार्टी के लिए सड़क पर उतरकर भाजपा जैसी भ्रष्टाचारी सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के आंदोलन एवं प्रदर्शन में शामिल होता हैं। चूंकि मध्यप्रदेश में पिछले 25 वर्षों से कांग्रेस पार्टी विपक्ष में है। और हमारे पास कार्यकर्ताओं का सम्मान करने के लिए सरकारी एवं प्रशासनिक पद नहीं है। सिर्फ कार्यकारणी का पद ही ऐसा है जिससे हम कांग्रेस कार्यकर्ताओ का मान सम्मान कर सकते है। और उन्हें कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पद देकर उनका सम्मान बढ़ा सकते हैं। मुझे समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ हैं कि इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी 51 लोगों की बनाई जा रही हैं। इसलिए श्रीमान आपसे गुजारिश है कि इंदौर शहर कांग्रेस की कार्यकारिणी जो की 51 लोगो की बनाई जाना है। उसे 251 लोगों की बनाई जाए जिससे हर सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मान हो सके।

दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका की प्रति मुनि श्री आदित्य सागरजी को भेंट की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड प्राप्त दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका की प्रति निर्देशिका के प्रधान संपादक हंसमुख गांधी ने अंजनी नगर में श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज संसघ को भेंट की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ जैनेंद्र जैन, दिगंबर जैन समाज अंजनी नगर के अध्यक्ष देवेंद्र सोगानी, ऋषभ पाटनी छत्रपति नगर समाज के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, राकेश नायक, वीरेन्द्र जैन, श्रुत जैन आदि उपस्थित थे।

गांधी ने निर्देशिका के संबंध में मुनिश्री को बताया कि तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए निर्देशिका में देश के सभी प्रांतों में स्थित 267 दिगंबर जैन तीर्थों का नाम, उनका ऐतिहासिक महत्व, एवं यात्रियों के लिए तीर्थ पर उपलब्धआवास,भोजनशाला , धर्मशाला की जानकारी एवं एसटीडी कोड सहित तीर्थ क्षेत्र का फोन एवं मोबाइल नंबरऔर तीर्थ की लोकेशन क्यूआर कोड के साथ प्रकाशित की गई है। इसी के साथ निकटतम प्रमुख नगर एवं समीपवर्ती अन्य तीर्थ स्थलों की जानकारी एवं निकटतम एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, की जानकारी के साथ यात्रियों के लिए तीर्थ पर उपलब्ध आवागमन के साधन और तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महामंत्री का मोबाइल नंबर भी निर्देशिका में प्रकाशित किया गया है। निर्देशिका में अमेरिका, लंदन, हॉंगकांग, ताइवान, बैंकॉक पाकिस्तान आदि अनेक देशों के जैन मंदिरों की पते सहित सूची, एवं फोन मोबाइल नंबर ईमेल आईडी, वेबसाइट की जानकारी भी प्रकाशित की गई है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महाराजश्री ने निर्देशिका को तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज बताते हुए श्री गांधी के श्रम साध्य प्रयास की सराहना की और उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में सदैव सक्रिय बने रहने का आशीर्वाद भी दिया।

शासकीय छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, इस वर्ष पूरी तरह होगी ऑनलाइन

- 30 मार्च तक ऑनलाइन करना होगा आवेदन
- स्थान रिक्त होने वाले दूसरे चरण के लिए 6 अप्रैल से 10 जून तक कर सकेंगे आवेदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय छात्रावासों में वर्ष 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका एवं बालक छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है। संचालक श्री सिंह ने बताया कि ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण और प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है।

ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाइप-ढ्ढ एवं टाइप-III तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस (एनएससीबी) बालक/बालिका छात्रावासों के पारदर्शी प्रबंधन और उनमें प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

छात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रथम चरण के बाद सीट्स रिक्त रहने की स्थिति में द्वितीय चरण के आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह 06 अप्रैल 2026 से 10 जून 2026 तक चलेगी। छात्रावास में प्रवेश के लिए अभिभावकों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेन्टर के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट https\Ñ//education-portalx.in पर जाकर करना होगा। इसके साथ ही यदि किसी अभिभावक/ पालक/ विद्यार्थी को आवेदन फॉर्म भरने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे संबंधित वार्डन के सहयोग से भी आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने प्रशासन पुलिस व बैंक का समन्वय जरूरी-जिला न्यायाधीश

नेशनल लोक अदालत की तैयारी तेज, अधिकतम छूट देकर अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली इस वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बैंक एवं नगर परिषद के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों सहित अन्य मामलों के अधिकाधिक निराकरण के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया गया। जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि नेशनल लोक अदालत न्याय को सरल, त्वरित और सुलभ बनाने का सशक्त माध्यम है, जिसके जरिए पक्षकारों को आपसी सहमति से शीघ्र और संतोषजनक समाधान प्राप्त होता है। उन्होंने बैंक प्रबंधन तथा नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में नियमानुसार अधिकतम छूट एवं राहत प्रदान करते हुए अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पक्षकारों को लंबे समय से लंबित विवादों से राहत मिल सके।

जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का समाधान होने से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ कम होता है, साथ ही पक्षकारों के समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है तथा समाज में आपसी सौहार्द और विश्वास का वातावरण सुदृढ़ होता है।

जिला न्यायाधीश श्री खान ने विशेष रूप से सभी बैंकों के प्रबंधकों को निर्देश दिए कि ऋण संबंधी प्रकरणों में नियमानुसार अधिकतम रियायत एवं व्यवहारिक समाधान अपनाते हुए अधिकाधिक मामलों को लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए। वहीं नगर परिषद देपालपुर, बेटमा एवं गौतमपुरा के अधिकारियों को जलकर, संपत्ति कर एवं अन्य देयकों से जुड़े प्रकरणों में पक्षकारों को राहत प्रदान करते हुए समझौते के माध्यम से निराकरण की दिशा में सक्रिय पहल करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से भी समन्वय स्थापित करते हुए अधिकाधिक प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में लाने तथा आमजन को लोक अदालत की प्रक्रिया, लाभ और सुविधाओं के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इस वैकल्पिक विवाद निवारण व्यवस्था का लाभ उठा सकें। समीक्षा बैठक में एस.डी.ओ.पी. देपालपुर संघ प्रिय सम्राट,नगर निरीक्षक रणजीत सिंह बघेल, उप निरीक्षक भारत लाल यादव, बैंकों के प्रबंधक दीपक पाटीदार, प्रशांत जाटवा, एम.के. झा, हिमांशु जोशी,अनिल राठौर, दुर्गेश गुप्ता सहित समस्त नगर परिषदों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने सभी विभागों से समन्वित प्रयास करते हुए 14 मार्च 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने तथा अधिकाधिक प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण और त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जिला न्यायाधीश श्री खान ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को त्वरित न्याय, अधिकतम राहत और संतोषजनक समाधान प्रदान करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है।

राष्ट्र की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को किया नमन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● करुणा बुद्ध विहार समिति के तत्वावधान में विश्व की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी कर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। करुणा बुद्ध विहार समिति के शेषराव गजभिए ने बताया कि विश्व की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी का उद्घाटन भनते धम्म बौद्ध मुख्य अतिथि शोधक समाज अंतराष्ट्रीय राष्ट्रीय प्रभारी हुकमचंद जादम सैनी, ने भारतीय संविधान उद्देशिका की शपथ ग्रहण करवाया,विशेष अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव यादव काका, विशेष अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष डाक्टर सरदार सिंह कायस्थ,बसपा प्रभारी वीरेंद्र निराला, ने अपने विचार व्यक्त किए,इस अवसर पर महिलाओं को जय विज्ञान जय संविधान मफलर व सावित्रीबाई फुले जीवन परिचय साहित्य से सम्मानित किया, आभार प्रवीण कलसकर ने माना।

अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2026 के पदाधिकारियों एवँ संचालक मंडल का शपथ विधि समारोह सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2026 के पदाधिकारियों एवँ संचालक मंडल को वरिष्ठ पत्रकार राजेश चेलावत ने शपथ दिलवाई। रिटायर्ड जस्टिस सत्येंद्र जोशी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अपने उदबोधन मर श्री चेलावत ने कहा की यह शपथ हमे वर्षभर अपने दायित्वों का अहसान करवाएगी। उन्होनें उपस्थित 200 से अधिक समाजजनों को भी समाजसेवा एवं जनकल्याण के कार्यो की शपथ दिलवाई। ग्रुप परिवार के मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद जी गोयल ने सभी नवीन पदाधिकारियों एवँ संचालक मंडल का दुपट्टा पहनाकर पुष्प माला से स्वागत किया।

विमुक्त घुमंतू व अर्धघुमंतू सर्वेक्षण शिविर का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड सांवेर द्वारा पंचौला पंचायत मे जेल के पास विमुक्त घुमंतू एवं अर्धघुमंतू समुदाय के सर्वेक्षण शिविर का आयोजन किया गया जहा कालबेलिया समाज के 25 घर थे। यहा भोपाल से राज्य योजना प्रभारी श्री अमिताभ श्रीवास्तव ने सर्वेक्षण के उद्देश्य एवं इसकी आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी सर्वेक्षण कर्ताओ के कॉन्सेप्ट क्लीयर किए। तरूण मांडीवाल द्वारा यहा का सर्वे किया जा रहा है। इनके द्वारा 50 ऑफलाइन सर्वेक्षण तथा 40 ऑनलाइन सर्वेक्षण समर्थ पोर्टल पर किए गए। यहा जन अभियान परिषद से संभाग समन्वयक जिला समन्वयक व विकासखंड समन्वयक भी उपस्थित थे।

निगम का निर्णय : आज परिषद में रखेंगे स्वीकृति के लिए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आर्थिक संकट से जूझ रहे इंदौर नगर निगम ने आय बढ़ाने के लिए अपनी संपत्तियों के मोनेटाइजेशन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निगम पहली बार करीब 65 हजार स्क्वेयर फीट जमीन की ऑनलाइन नीलामी करने जा रहा है। इससे लगभग 25 से 26 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। इस संबंध में प्रस्ताव महापौर परिषद की गुरुवार को होने वाली बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। निगम द्वारा शहर के नेहरू पार्क, सिरपुर, खजरानी और पीपल्याहाना क्षेत्रों में स्थित जमीनों को नीलामी के माध्यम से बेचने की तैयारी की गई है। कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार इन जमीनों की कुल कीमत लगभग 26.5 करोड़ रुपये आंकी गई है।

आंबेडकर जन्मभूमि स्मारक के सामने मुख्य सड़क पर डोम-मंच न बनाने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर 12 से 14 अप्रैल तक महू स्थित डॉ. आंबेडकर जन्मभूमि राष्ट्रीय स्मारक पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस संबंध में लहुजी शक्ति सेना एवं मांग (मातंग) समाज युवा संगठन, मध्यप्रदेश द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर स्मारक के सामने मुख्य सड़क पर डोम (पंडाल) एवं मंच नहीं बनाने की मांग की गई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल साठे ने बताया कि हर वर्ष 13 अप्रैल की शाम से लेकर 14 अप्रैल तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 12 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

बाबा की पालकी के लिए दुल्हन की तरह की गई सड़कों और गलियों की सजावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री केंद्रीय सांई सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे 32 वें साईं बाबा महोत्सव में प्रतिदिन सुबह प्रभात फेरी एवं साईं बाबा की पालकी यात्रा के क्रम में बुधवार को जिंसी, राधा नगर, नीलकंठ कॉलोनी एवं चौथी पल्टन पुलिस लाइन सहित समूचा क्षेत्र साईं बाबा के जयघोष से गुंजायमान बना रहा। घर-घर बाबा की पालकी का पूजन तो हुआ ही, भक्तों ने घरों के सामने रंगोली एवं दीप सज्जा कर अपनी श्रद्धा भक्ति का इजहार किया। बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों ने भी बाबा की पालकी का पूजन किया। बुधवार को निकली इस यात्रा की सभी व्यवस्थाएं मातृशक्ति ने बखूबी संभाली। श्री केन्द्रीय सांई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव और समीर जोशी ने बताया कि सैकड़ों साईं भक्तों की मौजूदगी में चंद्रशेखर पंवार के निवास पर बाबा की पालकी के पूजन के साथ प्रभात फेरी का शुभारंभ हुआ। बाबा के जयघोष के उत्साहपूर्व माहौल में जैसे-जैसे प्रभात फेरी आगे बढती गई, वैसे-वैसे समूचे क्षेत्र में बाबा की अगवानी को लेकर जबर्दस्त उत्साह बढ़ता रहा।

'भूजल स्त्रोतों की शुद्धि और पुनर्भरण में सावधानी' विषय पर संगत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था सेवा सुरभि के तत्वावधान में विश्व जल दिवस की पूर्व बेला में रविवार 15 मार्च को 'भूजल स्त्रोतों की शुद्धि और पुनर्भरण में सावधानी' जैसे प्रासंगिक विषय पर एक परिसंवाद रूपी संगत का आयोजन सुबह 10 बजे से इंदौर प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागृह में रखा गया है। संस्था के संयोजक ओमप्रकाश नरेडा, कुमार सिद्धार्थ एवं किशोर पंवार ने बताया कि इस अवसर पर शहर के अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। इस संगत में भारत सरकार की ओर से पेय जल सुरक्षा के लिए नियुक्त पूर्व राष्ट्रीय नोडल अधिकारी डॉ. सुधीन्द्र मोहन शर्मा, आरआर केट के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक निकेतन सेठी अपने अनुभवों के आधार पर भूमिगत जल स्त्रोतों की शुद्धि और उसके पुनर्भरण में बरती जाने वाली सावधानियों पर अपनी बात रखेंगे।

विधायक मधु वर्मा ने जनता को दिया हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हिंदू मुस्लिम रोजा इफ्तार का भव्य आयोजन अपना गार्डन नायता मुंडला में दिलावर पटेल जनपद द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से राउ विधानसभा के विधायक मधु वर्मा व किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री रवि रावलिया शामिल हुए इनके साथ ही भाजपा के कई नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए रमज़ान के पाक महीने में इंदौर की राऊ विधानसभा से एकता और भाईचारे की ऐसी तस्वीर सामने आई... जिसने हर दिल को छू लिया। बड़ी संख्या में हिंदू मुस्लिम के साथ ही कई समाज सेवी शिक्षाविद और पत्रकार भी पहुंचे थे गवर्नमेंट डिपार्टमेंट से भी कई लोगों को आमंत्रित किया गया था कार्यक्रम में थाना तेजाजी नगर के टी. आई. श्री देवेंद्रसिंह मरकाम भी पहुंचे साथ ही समीर पटेल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर भी मौजूद रहे 'कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण' सभी समाज के लिए उनके खान-पान और संस्कृति के हिसाब से ही भोजन तैयार किया गया जहां पर मसालेदार खाना तैयार था तो वही डिनर में लजीज व्यंजन रबड़ी मिठाई व अन्य पकवान भी बनाए गए थे सभी ने इस भव्य आयोजन की तारीफ की और कहा कि इस तरह के आयोजन हमेशा होते रहना चाहिए ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ते हैं, दिलों को करीब लाते हैं और पूरे प्रदेश को एकता और तरक्की का संदेश देते हैं।

जल संसाधन विभाग में चल रहा टेंडर सिंडिकेट चुनिंदा फर्मों को मिल रहे ठेके - जीतू पटवारी

भोपाल (एजेंसी) • मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को जल संसाधन विभाग में ठेकों को लेकर टेंडर में सेंटिंग के आरोप लगाए हैं। पटवारी ने दस्तावेजों के साथ आरोप लगाया कि प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर केवल 'ठेकेदारी और कमीशन' का खेल चल रहा है। उन्होंने सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर जांच नहीं हुई, तो कांग्रेस सबूतों के साथ सीबीआई के पास जाएगी। पटवारी ने तंज कसते हुए कहा- 'सरकार इसे 'कृषि वर्ष' कह रही है, जबकि यह 'कमीशन वर्ष' है। कल ही सरकार ने 5800 करोड़ का कर्ज लिया है, लेकिन यह पैसा किसानों के पास नहीं, बल्कि चहेते ठेकेदारों की जेब में जा रहा है। '

जीतू पटवारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों और सीएम से सवाल किया कि क्या सरकार विभाग में जमा सभी बैंक गारंटियों की जांच कराएगी, पटवारी ने पूछा कि- 2023-24 के टेंडरों की न्यायिक जांच क्यों नहीं कराई जा रही।

पटवारी के तीखे आरोप

टेंडर सिंडिकेट : गिनी-चुनी कंपनियों का कब्जा : पटवारी ने कहा कि बड़े टेंडरों में चुनिंदा दो- तीन कंपनियां ही दिखती हैं। यह रोटेशन सिस्टम है, जहां कभी एक कंपनी बनती है तो कभी दूसरी। प्रतिस्पर्धा खत्म कर दी गई है।

दुबई कनेक्शन और 'मनी ट्रेल' : पटवारी ने दो नामों का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि ये लोग कौन हैं और विभाग में इनकी क्या भूमिका है? इन लोगों के साथ मंत्रियों के रिश्तेदारों के दुबई में साझा बिजनेस हैं। यह मामला 'मनी लॉन्ड्रिंग' से जुड़ा हो सकता है।

फर्जी बैंक गारंटी का 'महाघोटाला' : विभाग में फर्जी बैंक गारंटी जमा कर ठेकेदार करोड़ों का एडवांस ले रहे हैं। जल निगम में फर्जीवाड़ा पकड़ने के बाद भी जल संसाधन विभाग और में 'ई-बैंक गारंटी' सिस्टम लागू नहीं किया गया।

भाजपा कार्यालय और केन-बेतवा लिंक : पटवारी ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट का ठेका उस कंपनी को दिया गया है जो भाजपा का दफ्तर बना रही है। सांठ-गांठ साफ है- पार्टी दफ्तर बनाओ, कमीशन दो और फिर मर्जी से काम करो या लटका दो।

तकनीकी धोखाधड़ी : पाइपों का फेरबदल जमीन पर सस्ते पाइप डाले गए और कागजों में महंगे पाइप दिखाकर करोड़ों का भुगतान निकाल लिया गया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर में प.पू. आदित्य सागर म.सा. की मंगल अगवानी हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अंजनि नगर, एयरपोर्ट रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर पर प.पू. आचार्य श्री विशुद्धसागर म.सा. के परम प्रभावक ओजस्वी संत मुनि श्रुत संवेगी श्री आदित्य सागर म.सा., मुनि श्री अप्रमित सागर जी, मुनि श्री सहज सागर जी एवं क्षुल्लक श्री श्रेयस सागर जी की भव्य अगवानी बुधवार को पूरे उत्साह के साथ सम्पन्न हुई।मुनि की अगवानी में ऊंट, घोड़े, बैंड बाजे एवं उज्जैन के भस्म रमय्या ग्रुप के कलाकारों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। मार्ग में जगह-जगह समाज बंधुओं ने मुनिश्री के पद प्रक्षालन कर महिला-पुरुषों ने परंपरागत परिधान में सज-धजकर उनकी अगवानी की।

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा घरेलू व व्यवसायिक गैस सिलेंडर की मूल्य वृद्धि के विरोध में अनोखा प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं पूर्व पार्षद इंदौर शहर महिला राजीव विकास केंद्र की श्रीमती रायमुनीभगत के नेतृत्व में घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में आज इंदौर शहर कांग्रेस एवं इंदौर शहर महिला राजीव विकास केंद्र कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से जोरदार प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस कार्यालय के सामने महिलाओं ने सिर पर गैस सिलेंडर रखकर केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में पोस्टर लिए नरेंद्र मोदी हाय हाय भाजपा सरकार हाय हाय के भी नारेबाजी की

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से आम परिवारों का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। रसोई गैस की महंगाई ने गृहिणियों की कमर तोड़ दी है, वहीं व्यवसायिक सिलेंडरों की कीमत बढ़ने से छोटे व्यापारियों और होटल-ढाबा संचालकों पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है वही कमर्शियल गैस की आपूर्ति रोकने से वही घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी बढ़ेगी।

महिलाओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। चुनाव के समय महंगाई कम करने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन आज स्थिति यह है कि गैस सिलेंडर आम आदमी की

पहुंच से दूर होता जा रहा है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की हैं कि केंद्र सरकार तत्काल घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में कमी करे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। यदि सरकार ने जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर और भी बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि महंगाई के इस बोझ को अब और सहन नहीं किया जाएगा और आम जनता की आवाज़ को बुलंद करते हुए कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। इस अवसर पर शहर कांग्रेस एवं इंदौर शहर महिला राजीव विकास केंद्र के पदाधिकारी कांग्रेस कार्यकर्ता शेरा एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीनगर मेन स्थित गार्डन पर चल रही शिव पुराण कथा में धूमधाम से मनाया गया शिव-पार्वती विवाह का उत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हमारी गृहस्थी की गाड़ी भी श्रद्धा और विश्वास के दो पहियों पर ही चलती है। दोनों पहियों में संतुलन बनाकर रखना हमारे विवेक पर निर्भर है। भगवान शिव करूणा के अवतार हैं। करुणा अर्थात प्राणी मात्र के लिए सदभाव। केवल ईश्वर की पूजा करने और संसार के प्राणियों से बेर भाव रखने वालों से शिव कभी प्रसन्न नहीं हो सकते। शिव पुराण कथा पाप से निवृत्त होने की कथा है। शिव श्रद्धा और पार्वती विश्वास के प्रतीक हैं। गृहस्थ धर्म को सबसे बड़ा और चुनौतीपूर्ण कर्तव्य माना गया है। समाज और परिवार के साथ रहते हुए हम अपने दायित्वों को किस तरीके से निभाएं, यह मंत्र शिव पुराण कथा और शिव परिवार से भी मिलता है। प्रख्यात आचार्य पं. विष्णुदत्त शर्मा महर्षि ने बुधवार को श्रीनगर मेन स्थित गार्डन पर खत्री महिला मंच एवं खत्री सभा इंदौर की मेजबानी में चल रही महाशिवपुराण कथा के तीसरे दिवस उपस्थित भक्तों को शिव-पार्वती विवाह सहित विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा के दौरान शिव-पार्वती विवाह का जीवंत उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। ढोल-ढमाकों सहित नंदी बैल एवं गाड़ी में सवार भगवान शिव की बारात भी निकाली गई और वर-वधू पक्ष की ओर से मेहमानों का स्वागत भी किया गया। प्रारंभ में खत्री सभा के अध्यक्ष प्रदीप बिरदी,एवं श्रीमती मोहिनी भयाना आदि ने वैदिक मंगलाचरण के बीच व्यास पीठ की पूजा-अर्चना की।

साँवेर नगर परिषद में करोड़ों के विकास कार्यो का माँग पत्र मुख्यमंत्री को सौपा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आगामी 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिहस्थ मेला को दृष्टिगत रखते हुए सांवेर विधानसभा की एक मात्र नगर परिषद क्षेत्र में कैबिनेट जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की अगुआई में नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया ने भोपाल में मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव को करोड़ों के विकास कार्यो का माँग पत्र सौपा जिसमे सर्वसुविधा युक्त बस स्टैंड ,कमर्शियल कॉम्प्लेक्स ,नगर में सड़के चौराहों का सौंदर्यकरण सामुदायिक भवन माधवराव सिंधिया उघान में स्टेज सेड पार्किंग बाउंड्रीवाल नगर में प्रकाश हेतु हाईमास्क एवं विशिष्ट प्रयोजनार्थ स्टेडियम निर्माण वार्डो में विकास स्वच्छता को दृष्टिगत मल जल प्रबंधन हेतु डिस्लेजिंग वाहन विद्युत प्रबंधन हेतु हाइड्रोलिक लिफ्ट अमृत 2.0 जल प्रदाय योजनान्तर्गत राशि मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना धार्मिक प्रयोजन हेतु टीनशेड निर्माण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भोपाल मुख्यमंत्री कार्यालय में भेट कर माँग पत्र सौपा जिस पर माननीय मुख्यमंत्री ने मांगपत्र प्राप्त कर संबधित विभागों को अग्रेषित किया एवं आश्वासित किया की शीघ्र ही सभी माँगो को पूरी किया जाएगा।

रामनवमी के पावन पर्व पर श्री राम मंदिर पंचकुइया से निकलेगी भव्य श्री राम रथ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रामनवमी के पावन पर्व पर पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम से निकलने वाली श्री राम रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में एक बड़ी बैठक आयोजित की गई जिसमें साधु-संतों के साथ ही बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सहित अलग-अलग समाजों के प्रतिनिधि भक्तगण सम्मिलित हुए। बैठक में भव्य राम रथ यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज के सानिध्य में सभी भक्तों ने एकजुटता के साथ संकल्प लिया। बैठक में यात्रा को लेकर कई समाजों के प्रतिनिधि और भक्तों ने अलग-अलग सुझाव दिए। बैठक में कई निर्णय भी लिए गए।पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री राम गोपाल दास महाराज ने बताया कि रामनवमी के पावन पर्व पर 27 मार्च को संतों की तपोस्थली पंचकुईया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम से भव्य श्री राम रथ यात्रा निकलेगी जिसमें आकर्षक अयोध्या श्री राम मंदिर की प्रतिकृति और हनुमानजी की झांकियों के साथ रथ पर मंदिर के 501 वर्ष प्राचीन भगवान ठाकुरजी सवार होकर

भक्तो को दर्शन देने और उनके हालचाल जानने निकलेंगे। इसमें हजारों भक्तो के साथ ही मथुरा वृन्दावन अयोध्या चित्रकूट के साधु संत सहित इंदौर के साधु संत समाज भी सम्मिलित होंगे। भव्य राम रथ यात्रा रामनवमी पर शाम 4:00 बजे निकलेगी। यात्रा में अश्व ध्वज वाहक और सैकड़ों युवा भगवा ध्वज लेकर चलेंगे, यात्रा में आगे-आगे घोड़े बग्गी बैंड बाजे हाथी भी रहेंगे। यह यात्रा साकेतवासी महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मणदास जी महाराज की प्रेरणा से निकली जा रही है।

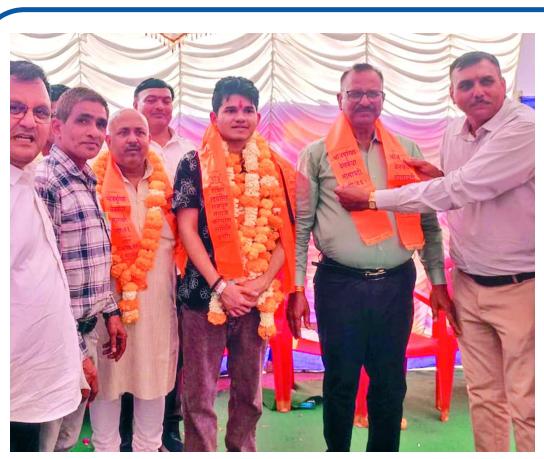

इंदौर • भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी के वरिष्ठ पदाधिकारी हमारे साथी धनंजय सिंह के छोटे सुपुत्र निखीत कुमार सिंह का क्लास में चयन होने पर समाज का गौरव भी बढ़ाया है, निखित सिंह का आज इंदौर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई इस अवसर पर मौजूद भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह, ठा.जगदीश सिंह, पंकज सिंह गौतम, रविंद्र सिंह चंदेल, शंभूनाथ सिंह, आमोद सिंह, हरेंद्र सिंह,ओमप्रकाश सिंह, विनोद सिंह बैंस,केशव सिंह आदि उपस्थित हुए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

भारतीय रसोईघर तक आई ईरान-इजरायल युद्ध की आंच, क्या फिर से खत्म होने वाली है आपकी रसोई गैस?

दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है। समस्या यह है कि दुनिया के ज्यादातर देश आमतौर पर हर समय इतनी पूर्व-सावधानी नहीं बरतते हैं कि युद्ध से उपजी आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी उपायों को लेकर अपनी ओर से अगले कई महीनों के लिए पूरी तैयारी रखें। कई बार अचानक पैदा होने वाले हालात में पहले आपूर्ति का मोर्चा बाधित होता है। उसके बाद आम लोगों के जीवन-बसर के लिए अनिवार्य चीजों की कमी शुरू हो जाती है और फिर उसका असर बाहर भी दिखने लगता है, जिसमें लोगों के बीच रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की समस्या को लेकर चिंता ज्यादा बढ़ जाती है। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के दस दिन बाद कई देशों में लगभग यही स्थिति बन रही है। जहां तक भारत का सवाल है, तो जब से ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते को रोका है, तब से तेल टैंकरों की आवाजाही और गैस की आपूर्ति भी व्यापक रूप से बाधित हुई है। इसके अलावा, ईरान ने जवाबी हमले के तौर पर जिस तरह खाड़ी के कई देशों के तेल रिफाइनरियों पर हमले किए, उसके बाद कच्चे तेल का संकट ज्यादा गहरा गया है। होर्मुज मार्ग पर ईरान के रुख के बाद यह साफ हो गया था कि अगर यह युद्ध थोड़ा लंबा खिंचा, तो दुनिया के कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित होंगे। तेल और गैस के अभाव की वजह से न सिर्फ आम जनजीवन में अफरा-तफरी पैदा होगी, बल्कि बड़े पैमाने पर आर्थिक संकट खड़ा होगा। इसी क्रम में भारत में अब यह साफ दिखने लगा है कि अगर सरकार की ओर से जल्दी ही कोई उपयुक्त कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति जटिल हो सकती है। दरअसल, युद्ध की आंच अब भारत में रसोईघरों और व्यापार तक पहुंचनी शुरू हो गई है। एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस और एलपीजी यानी तरल पेट्रोलियम गैस के मामले में भारत आमतौर पर आयात पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि होर्मुज समुद्री रास्ते से तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होने के बाद भारत में अब एलपीजी की किल्लत का खतरा मंडराने लगा है और कई राज्यों में रेस्तरां तथा होटलों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति में मुश्किल शुरू हो गई है।

युद्ध और पर्यावरण विनाश: क्या तय होगी युद्ध थोपने वाले नेताओं की जवाबदेही?

वर्तमान सदी में युद्ध केवल सीमाओं को बदलने या सत्ता परिवर्तन के लिए ही नहीं, बल्कि संसाधनों पर कब्जे, हथियारों के प्रदर्शन और उनके परीक्षण के लिए भी लड़े जा रहे हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि ये युद्ध न केवल मानव सभ्यता को पीछे धकेल रहे हैं, बल्कि पृथ्वी के पर्यावरण पर भी गहरे और दीर्घकालिक घाव छोड़ रहे हैं।

युद्ध के दौरान फटने वाले बम, मिसाइलें और रासायनिक हथियार तेल भंडारों को राख कर रहे हैं, शहरों और जंगलों की हरियाली निगल रहे हैं, जल स्रोतों को दूषित कर रहे हैं और हवाओं को विषैला बना रहे हैं। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है और जैव विविधता पर गहरा संकट मंडरा रहा है। विशेष ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि युद्ध केवल भूमि और आकाश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इनका सबसे मूक और गहरा प्रभाव समुद्रों पर पड़ता है। नौसैनिक युद्धों के दौरान क्षतिग्रस्त होने वाले युद्धपोत और तेल टैंकरों से होने वाला 'ऑयल स्पिल' (तेल रिसाव) समुद्री जीवों के लिए मौत का वारंट बन जाता है। मिसाइल परीक्षणों और पनडुब्बियों द्वारा छोड़े गए मलबे से समुद्र के तल में भारी धातुएं जमा हो जाती हैं, जो खाद्य श्रृंखला के माध्यम से अंततः मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसके अतिरिक्त, आधुनिक युद्धों में उपयोग होने वाले शक्तिशाली सोनार सिस्टम समुद्री स्तनधारियों, जैसे व्हेल और डॉल्फिन की संचार क्षमता और दिशा-ज्ञान को नष्ट कर देते हैं, जिससे उनकी अकाल मृत्यु हो जाती है। लाल सागर और फारस की खाड़ी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में वर्तमान सैन्य हलचल वहां के कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) को भी अपूरणीय क्षति पहुँचा रही है, जो हजारों प्रजातियों का घर हैं।

ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब युद्ध पर्यावरण के इतने बड़े विनाश का कारण बनते हैं, तो क्या इन्हें शुरू करने वाले नेताओं और शक्तियों की पर्यावरणीय जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए?

वर्तमान में पश्चिम एशिया का तनाव इस प्रश्न को और अधिक गंभीर बना रहा है। अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच छिड़ा संघर्ष अब भीषण रूप ले चुका है। दोनों ओर से घातक मिसाइलों और ड्रोनों की बरसात हो रही है। ऐसा ही भयावह मंजर रूस-यूक्रेन युद्ध में भी देखने को मिल रहा है। इन युद्धों का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं है। तेल भंडारों, सैन्य ठिकानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमलों से निकलने वाला विषैला धुआं, रासायनिक गैसें और सूक्ष्म कण वैश्विक वायुमंडल में घुल रहे हैं। विकसित शहर मलबे के ढेर में बदल रहे हैं, जिससे जल, वायु, पृथ्वी और आकाश प्रदूषित होकर जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

इतिहास गवाह है कि युद्ध और पर्यावरण विनाश का चोली-दामन का साथ रहा है।

द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दशकों तक रेडियोधर्मी प्रदूषण फैलाया, जिसने मिट्टी और जल को ज़हरीला बना दिया।

खाड़ी युद्ध (1991) के दौरान कुवैत के तेल कुओं में लगाई गई आग आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी पर्यावरणीय आपदाओं में से एक है, जिससे महीनों तक लाखों टन कार्बन वायुमंडल में पहुंचा। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध और विशेष रूप से 1999 का कारगिल युद्ध हिमालयी पारिस्थितिकी के लिए बड़ी चुनौती बना। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में सैन्य कचरे और विस्फोटों ने संवेदनशील ग्लेशियरों को प्रभावित किया।

वियतनाम युद्ध में अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए 'एजेंट ऑरेंज' जैसे रसायनों ने लाखों हेक्टेयर वनों को बंजर बना दिया। वहीं, अफगानिस्तान में लगभग दो दशकों तक चली बमबारी ने भूमिगत जल और कृषि योग्य भूमि को भारी क्षति पहुँचाई।

एक कड़वा सच यह भी है कि युद्ध न होने की स्थिति में भी सैन्य गतिविधियां प्रदूषण का बड़ा स्रोत हैं। लड़ाकू विमान, टैंक, युद्धपोत और निरंतर होने वाले मिसाइल परीक्षण भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन की खपत करते हैं। यह ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन की समस्या को और विकराल बना रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएनईपी जैसे संस्थान युद्ध के दौरान पर्यावरण संरक्षण की वकालत करते रहे हैं, लेकिन आज तक शायद ही किसी वैश्विक नेता को पर्यावरणीय विनाश के लिए दंडित किया गया हो। इन परिस्थितियों में 'इकोसाइड' को अंतरराष्ट्रीय अपराध घोषित करने की मांग की जाना चाहिए । यदि यह अवधारणा कानूनी रूप लेती है, तो भविष्य में पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुँचाने वाले नेताओं को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के कटघरे में खड़ा किया जा सकेगा।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि युद्ध केवल मनुष्यों के विरुद्ध हिंसा नहीं, बल्कि प्रकृति के विरुद्ध भी अपराध है। प्रदूषित हवा और ज़हरीली नदियाँ सीमाओं के नक्शे नहीं पहचानतीं; इनका खामियाजा पूरी मानवता को भुगतना पड़ता है। आज वैश्विक राजनीति में 'युद्ध की संस्कृति' को त्यागकर शांति, कूटनीति और 'पर्यावरणीय जिम्मेदारी' को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। अन्यथा युद्ध की आग में केवल शहर ही नहीं जलेंगे, बल्कि पृथ्वी का अस्तित्व भी समाप्त होने की संभावना है।

डा. मनमोहन प्रकाश

ट्रेफिक : क्या हम सिर्फ शिकायत करना जानते हैं या सुधार का हिस्सा भी बनना चाहते हैं

पुलिस प्रशासन इन दिनों सड़कों पर उतरकर हमारे शहर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है। पिछले 8 दिनों (21 से 28 फरवरी) के आंकड़े गवाह हैं कि जब सख्ती होती है, तो सड़कें चौड़ी दिखने लगती हैं।

इंदौर पुलिस की 'क्लीन स्वीप' कार्यवाही के दौरान नो-पार्किंग में खड़े होने पर 1312 वाहनों पर व्हील लॉक और चालानी कार्यवाही की गई।

10,000 से अधिक वाहन सड़कों से अनाउंसमेंट कर हटवाए गए, जिससे जाम की स्थिति खत्म हुई।

पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा और क्रेन के साथ शहर के चारों ज़ोन (राजवाड़ा, विजयनगर, भवरकुआं, एयरपोर्ट रोड आदि) में विशेष टीमें सक्रिय हैं।

पुलिस द्वारा यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है ताकि शहर को जाम से मुक्ति मिले। व्यापारियों और रहवासियों के साथ बैठकें भी की जा रही हैं ताकि व्यवस्था स्थायी बनी रहे।

पुलिस की इस सकारात्मक पहल और कड़े उपायों के बाद अब समय है खुद से एक कड़वा सवाल पूछने का। अक्सर हम सोशल मीडिया पर ट्रैफिक जाम की तस्वीरें डालकर पुलिस और प्रशासन को कोसते हैं। लेकिन क्या हमने सोचा है कि सड़कों को 'पार्किंग लॉट' बनाने वाले भी हम ही हैं, टी सवाल यह है कि, क्या हम पुलिस की इस मुहिम को एक 'नागरिक आंदोलन' में बदलना चाहेंगे, जहाँ हम खुद जिम्मेदारी से वाहन पार्क करें। या फिर हम सिर्फ पुलिस के हटने का इंतज़ार करेंगे ताकि दोबारा अव्यवस्था फैला सकें और फिर से पुलिस को ही दोष दे सकें।

पुलिस सिर्फ नियम लागू करवा सकती है, लेकिन नियमित अनुशासन तो हमें अपने भीतर से लाना होगा.इंदौर को केवल स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि यातायात अनुशासन में भी नंबर 1 बनाने के लिए हमें स्वयं भी अनुशासन अपनाना होगा।

राजकुमार जैन,
यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

तापी रेलवे लाइन का ड्रोन सर्वे शुरू, दिल्ली पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● अलीराजपुर-खरगोन-खंडवा तापी रेलवे लाइन को लेकर लंबे समय से चल रहे प्रयास अब तेज होते नजर आ रहे हैं। तापी रेलवे लाइन समिति का प्रतिनिधिमंडल हाल ही में दिल्ली पहुंचा, जहां केंद्र स्तर पर परियोजना को गति देने के लिए मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए इसे शीघ्र स्वीकृति दिलाने का आग्रह किया। समिति अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने बताया कि प्रस्तावित रेलवे लाइन के मार्ग का पैदल सर्वेक्षण पूर्ण हो चुका है। साथ ही पश्चिम रेलवे से लगातार पत्राचार कर परियोजना की प्रगति की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि अब ड्रोन सर्वे का कार्य भी शुरू हो गया है, जिससे तकनीकी आकलन और सर्वे प्रक्रिया में तेजी आएगी। दिल्ली प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पीएमओ कार्यालय में भी मुलाकात कर परियोजना का महत्व रखा। इसके अलावा पंडित दीनदयाल उपाध्याय फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया से चर्चा की गई। भदौरिया ने भारतीय रेलवे लाइन बोर्ड नई दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी वेद प्रकाश से बातचीत कर सकारात्मक संकेत मिलने की जानकारी दी।

वन मंडल का तेंदूपत्ता संग्रहण लक्ष्य बढ़ा, इस साल ग्रामीणों को 2.16 करोड़ रुपये मजदूरी मिलेगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●वन मंडल ने वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य बढ़ा दिया है। इस साल 5410 मानक बोरा तेंदूपत्ता एकत्र करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस काम के बदले ग्रामीणों को करीब 2 करोड़ 16 लाख 40 हजार रुपये की मजदूरी मिलेगी। मजदूरी की दर 4000 रुपये प्रति मानक बोरा तय की गई है। तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू होने से पहले शाखा करतन (छंटाई) कार्य को लेकर मंगलवार को प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम खकनार वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 332 में हुआ और शाम छह बजे तक चला। कार्यशाला में सभी परिक्षेत्र अधिकारी, फड़ मुंशी, फड़ अभिरक्षक और उप वनमंडल अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने तेंदूपत्ता संग्रहण और शाखा छंटाई से जुड़े जरूरी नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी। वन विभाग के अनुसार तेंदूपत्ता संग्रहण वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के लिए आय का एक अहम जरिया है। हर साल बड़ी संख्या में ग्रामीण इस काम में शामिल होकर अपनी अतिरिक्त आय कमाते हैं। पिछले साल यानी 2025 में कुल 4570 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया था। इसके बदले ग्रामीणों को लगभग 1 करोड़ 82 लाख 80 हजार रुपये की मजदूरी दी गई थी। इस साल लक्ष्य बढ़ने से ग्रामीणों को मिलने वाली मजदूरी भी अधिक होने की संभावना है।

नेशनल हाईवे का काम रोकने का फैसला, आदिवासी किसानों ने मुआवजे की मांग पर लिया निर्णय

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर खरगोन जिले से गुजरने वाले 55.80 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे (ह॥-347) के निर्माण को लेकर किसानों ने विरोध शुरू कर दिया है। किसानों ने साफ कर दिया है कि जब तक उन्हें अपनी जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक वे सरवर देवला से पाल महाराष्ट्र तक बनने वाले इस हाईवे का काम शुरू नहीं होने देंगे। प्रशासन की तरफ से राजस्व भूमि के अधिग्रहण और उसके मुआवजे बांटने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। लेकिन इस हाईवे के दायरे में आने वाले वन क्षेत्र और वन अधिकार पट्टे धारक किसानों को अब तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। सरकार की तरफ से इस मामले में अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है, जिससे प्रभावित किसान परेशान हैं।

वन परिक्षेत्र अधिकारी से की मुलाकात

मुआवजे की मांग और अपनी समस्याओं को लेकर प्रभावित किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वन परिक्षेत्र अधिकारी से मुलाकात की है। इस दौरान अधिकारियों को आदिवासी किसानों की वर्तमान स्थिति और मुआवजे में आ रही अड़चनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

17 मार्च को चिरिया में होगी ग्रामसभा

आदिवासी बहुल क्षेत्र चिरिया में हुई किसानों की बैठक में यह तय किया गया है कि आगे की रणनीति के लिए 17 मार्च को एक ग्रामसभा का आयोजन होगा। इस ग्रामसभा में किसानों की मांगों को लेकर एक महत्वपूर्ण ठहराव प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इस बैठक में झिरन्या और भगवानपुरा ब्लॉक के सभी पटेल, सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

आग से 7 एकड़ गेहूं की फसल जली, 200 क्विंटल गेहूं का उत्पादन होना था

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जावर थाना क्षेत्र के ग्राम बेनपुरा डोंगरी में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे खेत में लगी भीषण आग से दो किसानों की पकी हुई गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में करीब 150 से 200 क्विंटल गेहूं नष्ट हो गया। इस हादसे में किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार अयाज खान पिता मेहमूद खान के खेत में अचानक आग भड़क उठी। खेत में काम कर रहे मजदूरों और ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें पड़ोसी किसान अहमद खान पिता रजाक खान के खेत तक पहुंच गईं और वहां की फसल को भी अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि अयाज खान के करीब 7 एकड़ खेत में खड़ी गेहूं की फसल में से लगभग 100 क्विंटल और अहमद खान के खेत में करीब 50 क्विंटल गेहूं जलकर नष्ट हो गया आग लगने का सटीक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन में स्पार्किंग हुई थी। सूखी गेहूं की फसल में चिंगारी गिरते ही आग भड़क उठी और तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई। घटना के समय गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण घरों से बाल्टी-बाल्टी पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका। खेत में काम कर रहे मजदूरों ने किसी तरह अपनी जान बचाई।

आदिवासी समाज ने निभाई गुड़तोड़ परंपरा, 12 फीट खंभे से गुड़ तोड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●धुलकोट में आदिवासी भिलाला समाज ने शीतला सप्तमी पर गुड़तोड़ परंपरा का आयोजन किया। बाजार चौक में हुए इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिनिधियों ने भूमिपूजन कर 12 फीट ऊंचे खंभे की पूजा-अर्चना की। इस दौरान दरबार समाज के पटेल विजयसिंह सोलंकी समेत कई समाज प्रतिनिधि मौजूद रहे। परंपरा के अनुसार, 12 फीट ऊंचे खंभे के ऊपरी सिरे पर गुड़ और चने की पोटली बांधी गई थी। इसे उतारने के लिए युवाओं के बीच स्पर्धा हुई। ढोल-मादल और डीजे की धुन पर युवा थिरकते रहे। समाजजनों की अनुमति मिलने पर युवक खंभे पर चढ़े, जबकि युवतियों और महिलाओं ने गुड़ की पोटली बचाने के लिए उन पर सोंटी बरसाई। युवाओं की टीम सोंटियों की मार से बचते हुए पोटली तक पहुंची। इस वर्ष आयोजित इस परंपरा में मंडलोई और मोरे परिवार विशेष रूप से शामिल हुए। खरगोन के अलावा बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा जिले से भी आदिवासी भिलाला समाज के 3000 से अधिक लोग इस आयोजन का हिस्सा बने। बुजुर्गों और महिलाओं के अनुसार, यह 150 साल पुरानी परंपरा है जिसे पूर्वजों द्वारा वर्षों से मनाया जा रहा है। गांव के पटेल विजयसिंह सोलंकी ने बताया कि यह समाज का एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जो उनकी संस्कृति और एकता का प्रतीक है।

नरवाई जलाने पर किसान पर लगा 15 हजार का जुर्माना ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पटवारी ने बनाया पंचनामा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खेतों में नरवाई जलाने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पंधाना तहसील के ग्राम पाबई खुर्द में गेहूं की नरवाई जलाने पर एक किसान पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही कृषि विभाग ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील की है।

जिले में लगातार खेतों में नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि खेतों में नरवाई जलाने से पर्यावरण और जमीन दोनों को नुकसान

पहुंचता है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि खेतों में नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता पर बुरा असर पड़ता है। इससे जमीन की ऊपरी परत को नुकसान होता है, जिसमें पौधों के लिए जरूरी पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। उपसंचालक कृषि नितेश यादव के अनुसार, खेत की ऊपरी मिट्टी में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व और कई तरह के उपयोगी सूक्ष्म जीव होते हैं। जब खेत में नरवाई को आग लगाई जाती है तो ये सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इससे जमीन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की संरचना भी प्रभावित होती है। जमीन कठोर हो जाती है और उसकी जल ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण खेत में बोई गई फसलें जल्दी सूखने लगती हैं। कृषि विभाग के अनुसार, नरवाई जलाने से वातावरण का तापमान भी बढ़ता है। इसके साथ ही मिट्टी में मौजूद कार्बन और नाइट्रोजन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे फसलों की वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ता है।

6 मकानों में आग लगी, 20 बकरियां जिंदा जली,आदिवासी फाल्या में हादसा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● एक आदिवासी फाल्या में बुधवार को आग लग गई। आग से 6 मकान जलकर पूरी तरह खाक हो गए हैं। गृहस्थी का पूरा सामान जलने के साथ ही 20 बकरियां आग की चपेट में आ गई। मौके पर बकरियों की अस्थियां नजर आ रही हैं। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया हैं। घटना पंधाना तहसील की शेखपुरा ग्राम पंचायत के जामली खुर्द खापरी गांव की हैं। जहां धनतर मामा के फाल्या पर बने एक ही परिवार के 6 मकानों में आग लग गई। उस वक्त परिवार के लोग गेहूं कटाई के लिए मजदूरी करने गए थे। दोपहर 1 बजे की घटना बताई जा रही हैं। मौके पर फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया इधर, ग्रामीणों ने आग के विकराल रूप को थमाने के लिए ट्रैक्टरों का उपयोग किया। ट्रैक्टरों से खेतों में कल्टीवेटर किया, ताकि आग की लपटें गेहूं की खड़ी फसलों तक नहीं पहुंच सके।

फीफा विश्वकप में इस बार एशियाई फुटबॉलरों पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी) • इसी वर्ष अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल में एशियाई टीमों के खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें की जा रही हैं। इस बार दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोंग हुंग मिन के अलावा जापान के युवा मिडफील्डर तकाफूसा कुबो पर भी सभी की नजरें रहेंगी। सोंग दक्षिण कोरियाई टीम के कप्तान हैं और क्लब स्तर पर टोटेनहम की ओर से खेलते हैं। उनकी तेज रफ्तार, ओर आक्रामक खेल शैली उन्हें आधुनिक फुटबॉल के सबसे खतरनाक फॉरवर्ड खिलाड़ियों में शामिल करती है। मैदान पर उनका नेतृत्व और मेहनत टीम के लिए प्रेरणा का काम करती है।वहीं जापान के युवा कुबो भी विश्व कप 2026 में बड़ा प्रभाव छोड़ सकते हैं। वह जापानी की टीम के अलावा स्पेन के

क्लब रियल सोशियाडाड के लिए खेलते हैं। कुबो अपनी रचनात्मकता, बेहतरीन नियंत्रणऔर तेज फैसलों के लिए जाने जाते हैं, जिससे वह मैच के दौरान खेल की गति को नियंत्रित करने में सक्षम रहते हैं।

जापान के विंगर कोरु मिटोमा भी अपनी तेज रफ्तार और शानदार ड्रिब्लिंग के लिए पहचाने जाते हैं। वह ब्रिगटन और होव के अलावा जापान की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हैं। डिफेंडरों को छकाने की क्षमता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि ये खिलाड़ी विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन से एशियाई फुटबॉल की पहचान को और मजबूत कर सकते हैं और टूर्नामेंट के रोमांच को नई ऊंचाई दे सकते हैं। वहीं ईरान के स्ट्राइकर मेहंदी तरामी भी काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने क्लब फुटबॉल में एफसी पोर्टो और इंटर मिलान से खेला है। वह अपनी आक्रामक क्षमता साबित की है। गोल करने की उनकी क्षमता और अनुभव ईरान की टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जून में होने वाले फीफा विश्वकप मुकाबले कुल 16 शहरों में मैच आयोजित होंगे, जिनमें 11 शहर अमेरिका, तीन मेक्सिको और दो कनाडा में होंगे

सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनौखा रिकार्ड

मुंबई (एजेंसी) • आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त

सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरूआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये।

सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

कलर्स ने डिजिटल स्कैम्स के दौर में प्यार को नया ताजगीभरा रंग दिया अपने प्राइमटाइम ड्रामा

मुंबई (एजेंसी) • आज की दुनिया में सब कुछ बस एक क्लिक पर है—शॉपिंग, डेटिंग, कनेक्शन और धोखाधड़ी भी। ज़िंदगी स्क्रीन और असल पलों के बीच खेली जाती है। प्यार छद्म में शुरू हो सकता है, लेकिन सच्चाई बिना फ़िल्टर सामने आती है। इसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फर्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज़्बात आमने-सामने आते हैं। एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, राची शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नज़र आएंगे। 'दो दुनिया एक दिल' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा। इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कन्नौज शहर का एक तेज़-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट ज़िंदगियाँ बदल सकता है। लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया। इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा। इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी ज़िंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है। उसके लिए दिखना ही ताक़त है और ऑनलाइन

दुनिया ही उसका घर। जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है। लेकिन शिवाय को इस सच्चाई का अंदाज़ा नहीं है कि आध्या दरअसल बलदेव सिंह की बेटी है आगरा का सबसे ताक़तवर बिल्डर, जिसकी पकड़ शहर पर हावी है और जिसकी परछाई शिवाय की ज़िंदगी पर भी गहरी है। ताजमहल की सदाबहार विरासत की पृष्ठभूमि में यह रोमांस खुलता है—जहाँ शान-ओ-शौकत, महत्वाकांक्षा और हाई-स्टेक्स ड्रामा साथ चलते हैं। जैसे-जैसे जुनून गहराता है और राज़ सामने आते हैं, 'दो दुनिया एक दिल' एक दिलचस्प कहानी बुनता है-प्यार और टकराव की, जहाँ ऑनलाइन दुनिया की बनाई हुई पहचान और ऑफलाइन दुनिया की सच्चाई के बीच की नाजुक रेखा पर रिश्ते चलते हैं।

इस केंद्रीय थीम को आगे बढ़ाते हुए, कलर्स ने भारतीय साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ साझेदारी की है और अपने नए शो 'दो दुनिया एक दिल' के ज़रिए पहली बार एक अनोखा साइबरक्राइम जागरूकता अभियान शुरू किया है। ऑन-स्क्रीन अलर्ट्स दर्शकों को साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज करने के लिए 1930 पर कॉल करने जाने के लिए प्रेरित करेंगे। ग्राउंड और डिजिटल एक्टिवेशन्स उन भावनात्मक ट्रिगर्स को दोबारा रचते हैं जिनका इस्तेमाल ठग लोग करते हैं—जैसे जल्दबाज़ी, जिज्ञासा और भरोसा—ताकि दर्शक असली ख़तरों को तुरंत पहचान सकें। एक सीरीज़ ऑफ़ अवेयरनेस फ़िल्म्स भारत में सबसे आम ठगी के तरीकों को सामने लाती है—हॅक्ड फ्रॉड, पहचान छिपाकर धोखा देना, खतरनाक लिंक और बहुत कुछ। इन फ़िल्मों के ज़रिए दर्शकों को व्यावहारिक टूल्स दिए जाते हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें।

फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • आमिर खान प्रोडक्शंस ने आखिरकार फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत बहुत ही सुकून भरी और दिल को छू लेने वाली दुनिया से होती है, जो दर्शकों को एक जादुई और क्लासिक प्रेम कहानी की झलक देती है। ट्रेलर में जुनैद खान एक 'फॉर्च्यून बेल' (किस्मत की घंटी) के बारे में बताते दिख रहे हैं, जिसे बजाने पर सच्चे प्यार की मुराद पूरी होती है। जब वह यह बात कह रहे होते हैं, तब वह साई पल्लवी के किरदार 'मीरा' की तरफ देखते हैं और मन ही मन दुआ करते हैं कि काश वो उनकी हो जाए। वह कहते हैं कि वह चाहते हैं कि उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो, भले ही सिर्फ एक दिन के लिए। ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी के बीच की प्यारी केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी का इशारा दे रही है। स्क्रीन पर ये दोनों साथ में बहुत ही फ्रेश और

एक्साइटिंग लग रहे हैं, और उनके बीच का सहज अंदाज हर सीन में एक जादू सा पैदा कर रहा है। यह एक ऐसी केमिस्ट्री है जिसे शब्दों में बताना मुश्किल है, लेकिन देखते वक्त इसे बखूबी महसूस किया जा सकता है।

उज्जैन संभाग

टोल पर जमकर तोड़फोड़, बिना टोल दिए कार निकालने की बात पर हुआ था हंगामा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन-गरोठ रोड नेशनल हाइवे पर रविवार रात टोल पर हंगामा हो गया। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि बिना टोल दिए कार निकालने की बात पर विवाद शुरू हुआ जिसके बाद करीब 6 लोगों ने टोल पर तोड़फोड़ कर दी। वीडियो के आधार पर पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

घट्टिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत पानबिहार पुलिस चौकी के गरोठ रोड स्थित तुलाहेड़ा टोल प्लाजा पर रविवार रात 9 बजे मोहनसिंह चौहान अपनी कार से जा रहे थे। इस दौरान उनका विवाद टोल के कर्मचारियों से हो गया। दोनों ओर से हुई मारपीट के बाद पुलिस ने क्रास कायमी कर ली। इस बीच विवाद की खबर लगते ही कुछ लोग आए और लाठी-डंडों से टोल पर तोड़फोड़ शुरू कर दी। वीडियो में मुंह पर कपड़ा बांधकर और हेलमेट पहने कुछ लोग टोल पर हमला करते नजर आ रहे हैं। हमले में टोल के स्टॉपर, कैमरे,कम्प्यूटर सहित

अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ने आरोपी मोहन सिंह चौहान,थाना भेरूगढ़, देवेन्द्र सिंह इंद्रानगर, कुलदीप सिंह थाना राघवी, गोपाल चौधरी जेथल,अरुण बैरागी जेथल, रोहित चौधरी जेथल जिला उज्जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मंगलवार शाम तोड़फोड़ करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

शिप्रा में काला पानी..., कान्ह का गंदा पानी मिलना बड़ी वजह

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • कान्ह के दूषित पानी के लगातार मिलने से शिप्रा का पानी काला और बदबूदार हो गया है। इसकी एक बड़ी वजह नदी में घाटों पर चल रहे निर्माण कार्य भी माने जा रहे हैं, जिनके कारण पानी रुका हुआ है और मिट्टी लगातार पानी में मिल रही है।ये हालात भी तब है, जब 18 और 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, विक्रमोत्सव समापन महोत्सव व भूतड़ी अमावस्या का स्नान पर्व होना है। हालांकि इन पर्व स्नान के लिए जिम्मेदार अधिकारी दो एमसीएम पानी नर्मदा का शिप्रा में लेने का दावा कर रहे हैं। दावे कई फिर भी शुद्ध नहीं... शिप्रा शुद्धिकरण के कई दावे हर साल किए जाते हैं। सिंहस्थ 2028 के चलते अब शिप्रा शुद्ध करने 1650 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। फिर भी शिप्रा साफ नहीं है।

भांजी से दुष्कर्म का आरोपी मामा गिरफ्तार,पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। चिमनगंजमंडी थाना पुलिस ने नाबालिग भांजी से दुष्कर्म के आरोप में उसके चचेरे मामा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपनी नाबालिग भांजी के साथ गलत हरकत की। बताया गया है कि होली के दिन रंग लगाने के बहाने भी उसने पीड़िता के साथ अशोभनीय व्यवहार किया था, जिसे परिजनों ने नजरअंदाज कर दिया था। इसके बाद आरोपी ने फिर से गलत व्यवहार किया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। सूचना मिलने पर चिमनगंजमंडी थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तकनीकी और भौतिक साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

निगम ने 5 सुलभ शौचालय बनाने का प्रस्ताव रखा, इनमें से दो जगह पहले से ही बन रहे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नगर निगम ने शहर में पांच जगह मेसर्स सुलभ इंटरनेशनल कंपनी के माध्यम से सुलभ शौचालय बनाने का प्रस्ताव रखा। स्वीकृति के लिए सोमवार को विशेष सम्मेलन में चर्चा हो गई। बाद में सामने आया कि दो स्थानों पर पहले से ही अन्य विभाग या परियोजना के तहत सुलभ शौचालय बनाए जा रहे हैं। शहर के चयनित स्थल देवास गेट, रीगल टॉकीज, दूध तलाई, काल भैरव के पास और दानीगेट। देवास गेट पर यूडीए का प्रोजेक्ट चल रहा है, जिसमें शौचालय बनेगा। वहीं रीगल टॉकीज में नगर निगम के कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में शौचालय पहले से शामिल हैं। ऐसे में एक ही जगह पर दो-दो शौचालय बनाने का प्रस्ताव कैसे बनाया, यह बड़ी चूक सामने आई। निगम अधिकारियों ने बताया कि यूडीए प्रोजेक्ट पहले स्पष्ट नहीं था, इसलिए यह स्थिति बनी। अब देवास गेट और रीगल टॉकीज के लिए नए स्थल खोजने के बाद ही प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। निगम टीम जल्द ही नई सिफारिश प्रस्तुत करेगी। प्रस्ताव पर फिर से मंथन कर उसे पास किया जाएगा।

फार्मासिस्ट के घर घरेलू सहायिका ने की चोरी, पुलिस ने 15 ग्राम सोने का मंगलसूत्र बरामद कर किया गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के नीलगंगा थाना क्षेत्र में घरेलू काम करने वाली एक महिला को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से करीब 15 ग्राम सोने का मंगलसूत्र बरामद किया है। महिला पर अपने मालिक के घर से मंगलसूत्र चुराने का आरोप है। यह मामला 10 मार्च 2026 को सामने आया, जब गिरिराज हेरिटेज, माधव क्लब रोड निवासी स्वाति मिश्रा ने नीलगंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई। सिविल अस्पताल में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत स्वाति मिश्रा ने बताया कि उन्होंने 15 फरवरी की रात करीब 11 बजे अपना लगभग 15 ग्राम वजनी सोने का मंगलसूत्र घर के ड्रेसिंग रूम की दराज में रखा था। 7 मार्च की रात जब उन्होंने दराज देखी तो मंगलसूत्र गायब मिला।

फरियादिया ने पुलिस को बताया कि नवंबर 2025 से वर्षा पांडे निवासी महालक्ष्मी नगर, नागझिरी उनके घर में घरेलू काम करने आती है और उसके अलावा किसी अन्य व्यक्ति का घर में आना-जाना नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि दिसंबर 2025 में उनके घर से करीब 8 ग्राम की सोने की अंगूठी भी इसी तरह चोरी हुई थी, जिसकी उस समय रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक तरुण कुरील के निर्देशन में पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर वर्षा पांडे (38 वर्ष, पति स्वर्गीय ब्रजेश पांडे, निवासी महालक्ष्मी नगर, नागझिरी) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सघन पूछताछ में आरोपी महिला ने चोरी की घटना कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया लगभग 15 ग्राम सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया है। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर 11 मार्च को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस रिमांड लेने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पहले चोरी हुई सोने की अंगूठी के संबंध में भी उससे पूछताछ जारी है।

रेस्टोरेंट संचालक कोयले से बनाएंगे खाना, गैस सिलेंडर की आपूर्ति गड़बड़ाने पर लिया फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • अंतरराष्ट्रीय हालात का असर अब महाकालेश्वर की नगरी में भी दिखाई देने लगा है। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर महाकाल मंदिर क्षेत्र में संचालित 350 से अधिक रेस्टोरेंट और भोजनालयों पर पड़ रहा है। इनके पास दो दिन की गैस बची है। ऐसे में संचालकों ने कोयला व लकड़ी पर खाना बनाने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि दो दिनों में कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिससे कई रेस्टोरेंट के पास सिर्फ एक-दो दिन का ही स्टॉक बचा है। अगर स्थिति इसी तरह बनी रही तो मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन व्यवस्था में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

महाकाल मंदिर में रोजाना करीब एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मंदिर के आसपास के रेस्टोरेंट और भोजनालयों में भोजन करते हैं। ऐसे में गैस सिलेंडर की कमी से संचालकों के सामने संचालन की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। महाकाल मंदिर के पास स्थित स्वरूची भोजनालय के संचालक चंद्रशेखर

काले ने बताया कि उनके यहां हर दूसरे दिन तीन कमर्शियल सिलेंडर लगते हैं। मंगलवार को एक सिलेंडर की मांग की गई थी, लेकिन दोपहर तक सप्लाई नहीं पहुंची। मजबूरी में दो सिलेंडरों पर ही खाना बनाना पड़ा, जिससे भोजन तैयार होने में करीब डेढ़ घंटे की देरी हुई। उन्होंने बताया कि पहले रोजाना चार कमर्शियल सिलेंडर लगते थे, लेकिन अब तीन सिलेंडरों से ही काम चलाना पड़ रहा है। सप्लाई मांग के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत कम मिल रही है।

कोयला-लकड़ी से खाना बनाने की तैयारी

उज्जैन बस स्टैंड के सामने संचालित जैन दाल-बाफले भोजनालय के संचालक ने बताया कि उनके यहां एक सप्ताह में करीब तीन सिलेंडर लगते हैं। फिलहाल तीन सिलेंडर मौजूद हैं, लेकिन आगे के लिए बुकिंग करने पर गैस एजेंसी फोन तक रिसीव नहीं कर रही है। संचालकों का कहना है कि यदि जल्द सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर कोयला और लकड़ी के चूल्हों का सहारा लेना पड़ेगा।

गैस एजेंसियों पर भीड़, लंबा इंतजार

इधर शहर की गैस एजेंसियों पर भी सुबह से लोगों की भीड़ लग रही है। एजेंसी कर्मचारियों के अनुसार फिलहाल सिर्फ ऑनलाइन बुकिंग के जरिए ही घरेलू गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं। बुकिंग के बाद भी करीब 25 दिन तक का इंतजार करना पड़ रहा है। बिना केवाईसी के किसी को भी सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। स्थिति को देखते हुए रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि यदि जल्द कमर्शियल गैस की सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भोजन के लिए परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर किया पुण्य स्मरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान योद्धा, मराठा गौरव, छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर उनका पुण्य स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य और पराक्रम की गौरव गाथा सदैव देशवासियों को गौरवान्वित करती रहेगी।

एक मई से 30 मई तक होगा मकानों की सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत की जनगणना-2027 के सफल संचालन और प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए इंदौर जिले में व्यापक तैयारियां जारी है। जनगणना के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को विभिन्न चरणों में लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई तक किया जाएगा। इस चरण में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर भवनों और परिवारों से संबंधित प्रारंभिक जानकारी एकत्रित की जाएगी।

एसीएस स्वास्थ्य की अध्यक्षता में समिति गठित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए प्रस्तावित समग्र स्वास्थ्य योजना के अंतिम प्रारूप, नीति निर्धारण के साथ ही कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों से परामर्श कर योजना को मंत्रि-परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है।

महाकाल नगरी उज्जैन से जुड़ेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले प्रोजेक्ट को मंगलवार 10 मार्च मंजूरी मिल गई। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने इस 4-लेन हाईवे को हरी झंडी दिखा दी है। खास बात ये है कि प्रोजेक्ट का काम मार्च 2028 तक पूरा हो जाएगा। महाकाल नगरी उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए एक 4-लेन हाईवे प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई। ये मंजूरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने दी है। इस प्रोजेक्ट पर तीन हजार 839 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मार्च 2028 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट-मुख्य सचिव अनुराग जैन की पहल पर इसे मई 2025 में नेशनल हाईवे घोषित किया गया था। छह महीने में डीपीआर तैयार की गई और जमीन अधिग्रहण का काम तीन महीने में पूरा हो गया था। मुआवजे की प्रक्रिया बुधवार 11 मार्च से शुरू हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट के टेंडर 17 मार्च को लगेंगे। साथ ही अप्रैल 2026 से काम शुरू होकर मार्च 2028 तक पूरा हो जाएगा।

सफर में होगी दो घंटे की बचत-इस हाईवे का सबसे बड़ा फायदा यह है कि, यह एनएच-752डी के बदनावर-पेटलावद-थांदला-टिमरवानी सेक्शन को 4-लेन में अपग्रेड करेगा। वर्तमान में इस

सिंहस्थ से पहले होगा तैयार

हिस्से में सड़क की चौड़ाई सिर्फ 5.5 मीटर है। इससे वाहनों की गति 20-50 किमी प्रति घंटा रहती है। इस सड़क को 4-लेन बनाने के बाद वाहनों की गति 80-100 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। इससे सफर में करीब डेढ़ से दो घंटे की बचत होगी।

केंद्र सरकार ने एफडीआई नियमों में दी ढील

केंद्र सरकार ने मंगलवार को चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश भूटान सहित कई देशों के लिए एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) नियमों में ढील देने का फैसला किया है। अब यदि इन देशों के निवेशकों की किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी 10% तक है, तो उन्हें भारत में निवेश करने के लिए सरकार से मंजूरी नहीं लेनी पड़ेगी। पहले इन देशों के निवेशकों का किसी कंपनी में एक भी शेयर होता था, तो भारत में निवेश करने के लिए सरकारी मंजूरी जरूरी होती थी। अब कुछ पुराने नियम जैसे सेक्टोरल कैप और एंट्री रूट पहले की तरह लागू रहेंगे। यह बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में किया गया है। कोविड-19 के दौरान सरकार ने भारतीय कंपनियों का अधिग्रहण रोकने के लिए एफडीआई नीति में बदलाव किया था।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिलेगी राहत-यह हाईवे गुजरात और महाराष्ट्र से उज्जैन आने का सबसे छोटा मार्ग होगा। इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही उद्योगों को भी फायदा होगा। इससे माल ढुलाई की लागत कम होगी और औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

आईएएस के फार्महाउस में चल रहा था जुआ, पुलिस ने छापा मार 18 जुआरी पकड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महू के मानपुर थाना एरिया में बुधवार, 11 मार्च को सुबह जुआ की खबर मिलने पर पुलिस ने दबिश दी। यह दबिश अवलीपुरा स्थित फार्म हाउस पर दी गई। यहां पर 18 जुआरियों को रंगे हाथों जुआ खेलते हुए पकड़ा गया है। यह फार्महाउस आईएएस वंदना वैद्य और उनके पति अंबरीश वैद्य के नाम पर है। आईएएस वंदना वैद्य वर्तमान में वित्त विकास निगम इंदौर की एमडी है। साथ ही, साल 2009 की प्रमोटी आईएएस है। वहीं, अंबरीश वैद्य भी सहकारिता विभाग में उपायुक्त रहे हैं।

छापे में मिले 13 लाख 67 हजार रुपए-कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 18 जुआरियों को पकड़ा वहीं पांच भाग गए। मौके से पुलिस ने 13 लाख 67 हजार 971 रुपए नकद, 52 ताश के पत्ते, 30 मोबाइल फोन, 10 नई ताश की गड्डियां जब्त किया। वहीं जुआरी जिन कारों से आए थे वह भी जब्त की हैं। जब्त सभी सामग्री और नकदी कीमत 28 लाख 67 हजार 971 रुपए है।

मुखबिर से सूचना पर ऐसे पहुंची पुलिस-पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि गांव अवलीपुरा स्थित

कोठी निवास फार्म हाउस में बड़े पैमाने पर जुआ हो रहा है। पुलिस जब फार्म हाउस पहुंची तो मुख्य गेट बाहर से बंद था। लेकिन अंदर से आवाज आने पर पुलिस पीछे से घुसी और जुआ खेलते हुए जुआरियों को पकड़ लिया। मानपुर थाना प्रभारी लोकेंद्र हीहोर ने छापे की पुष्टि करते हुए कहा कि मौके से 18 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा गया है। कुछ आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

चौकीदार ने जुआ वालों को दे दिया-इसमें जांच में सामने आया है कि यह फार्महाउस देखभाल के लिए गांव के ही किसी अर्जुन नाम के व्यक्ति को दिया गया था। इसके आसपास के फार्महाउस पर पूर्व में जुआ पकड़ा जा चुका है। वहां बंद हुआ तो अर्जुन ने जुआरियों से सांठगांठ की और कुछ रुपए लेकर फार्महाउस में जुआ खेलने की मंजूरी दे दी। इस मामले में वंदना वैद्य और उनके पति को इसकी भनक तक नहीं थी। जब पुलिस ने इस संबंध में फोन किया तो उन्हें पता चला कि यह कांड हो गया है।

इस घटना से हमारा कोई वास्ता नहीं-वहीं आईएएस वंदना वैद्य ने द सूत्र से कहा कि इस घटना से हम भी चौंक गए हैं। देखभाल के लिए जो चौकीदार रखा था, उसी के जरिए यह घटना की गई है। इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

देर रात हो गए प्रदेश पुलिस ट्रांसफर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में अधिकारियों के ट्रांसफर को लेकर देर रात एक अहम आदेश जारी हुआ है। इस आदेश के तहत, 3 SDOP को उनके कार्यक्षेत्र से अन्य स्थानों पर भेजा गया है। यह ट्रांसफर पुलिस विभाग की कार्यकुशलता और प्रशासनिक सुधारों के तहत किया गया है। गृह विभाग ने इन ट्रांसफरों को लेकर आदेश जारी किया और अधिकारियों को तुरंत अपनी नई पोस्टिंग पर जाने के निर्देश दिए हैं।

कौन कहां गया?

गृह विभाग द्वारा जारी किए गए ट्रांसफर आदेश के मुताबिक, कीर्ति बघेल, जो पहले मंदसौर जिले की SDOP थीं, अब शाजापुर की SDOP बनाई गई हैं। वहीं, सृष्टि भार्गव, जो बागली, देवास की SDOP थीं, अब पुलिस मुख्यालय भोपाल में भेजी गई हैं। इसके अलावा, संजय सिंह बैस, जो इंदौर में कार्यवाहक सहायक पुलिस आयुक्त थे, अब बागली, देवास के कार्यवाहक SDOP बनाए गए हैं।

क्या बदलाव है?

यह फेरबदल पुलिस विभाग में सुधारों को गति देने और कार्यों की निगरानी को बेहतर बनाने के लिए किया गया है। अधिकारियों का स्थानांतरण, उनकी कार्यकुशलता और विभागीय जरूरतों के हिसाब से किया जाता है। इस ट्रांसफर के बाद, इन अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और उन्हें अपनी नई भूमिका में कार्यरत होने का निर्देश दिया गया है।

इन ट्रांसफरों से पुलिस विभाग पर क्या असर पड़ेगा?

मध्यप्रदेश पुलिस में इन ट्रांसफरों का असर प्रशासनिक कार्यकुशलता पर पड़ेगा। अधिकारियों की नयकी पोस्टिंग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी विभागीय कार्य समय पर और सही तरीके से किए जाएं। साथ ही, यह कदम पुलिस विभाग में उच्च अधिकारियों द्वारा कार्यों की निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उठाया गया है।

बदलती जीवनशैली से बढ़ रहे किडनी रोगी

पिछले 5 साल में डायलिसिस के 59 फीसदी मरीज बढ़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान से किडनी के रोगी बढ़ रहे हैं। इंदौर में किडनी रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एमवाय अस्पताल में पिछले 5 वर्षों में डायलिसिस के मामलों में 59 फीसदी वृद्धि हुई है। 2025 में यहां 5 हजार से अधिक मरीजों का डायलिसिस किया गया।

नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप सालगिया के अनुसार, शहर में 500 से अधिक डायलिसिस मशीनें हैं। 3,500 से अधिक मरीज किडनी संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 10 वर्षों में शहर में 84 किडनी ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। 189

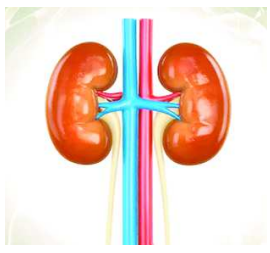

मरीज अभी भी किडनी ट्रांसप्लांट के लिए वेटिंग में हैं। एमवाय अस्पताल की नर्सिंग हेड निखिता यादव के अनुसार, यहां शुरुआत में दो डायलिसिस मशीनें थीं जो अब बढ़कर 18 हो गईं हैं। बुधवार को यहां 12 मरीजों की डायलिसिस की गई।

105 बार हुआ डायलिसिस 36 वर्षीय आकाश वर्मा बताते हैं कि वह 2023 से किडनी की समस्या से जूझ रहे हैं। अब तक वह 105 से अधिक बार डायलिसिस करा चुके हैं। वे एमवाय अस्पताल में सप्ताह में दो बार डायलिसिस करवाते हैं। परिवार के किसी भी सदस्य से उनकी किडनी मैच नहीं हुई है।

इन वर्षों में डायलिसिस

वर्ष	मरीज
2021	3,490
2022	3,663
2023	4,079
2024	4,420
2025	5,547

स्रोत: - एमवाय अस्पताल

15 मार्च तक 8.5 लाख कॉपियों का मूल्यांकन करना शिक्षकों के सामने बड़ी चुनौती

कक्षा 5वीं और 8वीं की कॉपियां जांचने 1100 शिक्षकों की लगाई ड्यूटी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कक्षा 5 और कक्षा 8 की बोर्ड परीक्षा की करीब 8.5 लाख उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की बड़ी जिम्मेदारी इन दिनों शिक्षकों के सामने है। इन कॉपियों की जांच 15 मार्च तक पूरी करनी है। इसके लिए जिले में करीब 1100 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है, लेकिन समय कम होने और दोहरी जिम्मेदारियों के कारण मूल्यांकन की रफ्तार अपेक्षा से धीमी बनी हुई है। निर्धारित मानक के अनुसार एक शिक्षक को प्रतिदिन 40 कॉपियां जांचनी हैं। इस हिसाब से सभी शिक्षक मिलकर प्रतिदिन लगभग 44 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर सकते हैं। हालांकि छह दिनों में करीब 2.64 लाख कॉपियों की ही जांच संभव है, जबकि कुल कॉपियों की संख्या करीब 8.5 लाख है। ऐसे में समय पर परिणाम घोषित होने

को लेकर चिंता जताई जा रही है।

जिले में छह केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य चल रहा है। इनमें बाल विनय मंदिर सहित अन्य केंद्र शामिल हैं। शिक्षकों का कहना है कि व्यावहारिक कारणों से मूल्यांकन की गति धीमी है। कई शिक्षक सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी निभाते हैं और उसके बाद ही मूल्यांकन केंद्र पहुंच पाते हैं। दोहरी जिम्मेदारी के कारण शिक्षकों के पास कॉपियां जांचने के लिए सीमित समय ही बचता है, जिससे प्रतिदिन जांची जाने वाली कॉपियों की संख्या तय लक्ष्य से कम रह जाती है। स्थिति आगे और चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि 9 से 15 मार्च के बीच

कक्षा 3, 4 और 6 की परीक्षाएं भी आयोजित हो रही हैं। इससे शिक्षकों की परीक्षा ड्यूटी बढ़ने के कारण मूल्यांकन के लिए समय और कम हो सकता है। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) संजय मिश्रा ने बताया कि विभाग मूल्यांकन की प्रगति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और समय पर प्रक्रिया पूरी कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव इंदौर में अक्षय बम की नाम वापसी फिर चर्चा में, सीसीटीवी के वो 44 सेकंड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लोकसभा चुनाव 2024 में मध्य प्रदेश और इंदौर में सबसे बड़ी घटना हुई थी। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अक्षय कांति बम ने ऐन वक्त पर नाम वापस ले लिया था। दो साल बाद यह घटना फिर चर्चा में आई है।

लोकसभा चुनाव इंदौर के लिए कांग्रेस ने अक्षय बम को प्रत्याशी बनाया था। बम आखिरी समय तक चुनाव प्रचार करते रहे, लेकिन 29 अप्रैल को अचानक नाम वापस ले लिया। इसके बाद कांग्रेस का कोई प्रत्याशी ही नहीं बचा और बीजेपी के शंकर लालवानी रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीते। एक निर्दलीय प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह झाला की याचिका से यह मामला फिर चर्चा में आ गया है। झाला का आरोप है कि उनका नाम गलत तरीके से वापस लिया गया, उन्होंने सीसीटीवी फुटेज हासिल कर कोर्ट में पेश किए हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मध्यप्रदेश की सबसे चर्चित घटना थी इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अक्षय कांति बम का नाम वापस लेना। वह 29 अप्रैल 2024 को कलेक्टोरेट में रिटर्निंग ऑफिसर व कलेक्टर आशीष सिंह के पास पहुंचे और नाम वापस ले लिया था। इसके बाद देश की सबसे चर्चित सेल्फी सामने आई थी। इसमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय कार में आगे और पीछे विधायक रमेश मेंदोला व अक्षय बम बैठे हुए थे। इसी दौरान कुछ और नामांकन वापस लिए गए, जिनमें एक निर्दलीय प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह झाला भी थे, साथ ही भावना सिंगोरिया व अन्य शामिल थे।

दरअसल, झाला ने हाई कोर्ट में इलेक्शन पिटीशन (चुनाव याचिका) दायर की हुई है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी और जिला कोर्ट में परिवाद भी लगाया

है। इसमें उन्होंने सूचना के अधिकार (RTI) के तहत उस दिन 29 अप्रैल के पूरे समय के सीसीटीवी फुटेज हासिल किए हैं, जिन्हें कोर्ट में पेश किया गया है।

इसमें गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि एक निर्दलीय प्रत्याशी अयाज अली को रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में धमकाया गया कि नाम वापस ले लो, लेकिन वह नहीं माने। वहीं भावना ने नामांकन वापसी आवेदन कक्ष में किसी बाबू को दिया और चलती बनीं।

झाला ने यह याचिका अपने नामांकन वापसी के खिलाफ लगाई है। उनका कहना है कि उन्होंने तो नाम वापस लिया ही नहीं और न ही प्रस्तावक प्रदीप्ति दुबे ने लिया। दुबे की बहन अदिति चौधरी एक बीजेपी महिला नेत्री के साथ गईं और मेरा नामांकन फॉर्म तय समय (दोपहर 3 बजे) के बाद लिया गया। ऐसे में चुनाव को रद्द किया जाए।

लोकसभा चुनाव में नाम वापस लेने वाले अक्षय कांति बम को लेकर भी इस सीसीटीवी में फुटेज मौजूद है। इसमें नजर आता है कि अक्षय बम सुबह 11:47 बजे कलेक्टोरेट चेंबर के बाहर कॉरिडोर में आते हैं। इनके साथ्थ बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला, तत्कालीन एमआईसी मेंबर जीतू यादव व अन्य साथ थे। वह 11:48 बजे रिटर्निंग अधिकारी के चेंबर में प्रवेश करते हैं और फिर 11 बजकर 48 मिनट 44 सेकंड पर बाहर आ जाते हैं। वह रिटर्निंग अधिकारी के चेंबर में मुश्किल से 30 सेकंड रहते हैं।

झाला ने लगाए ये आरोप-झाला ने अपनी याचिका में आरोप लगाए हैं कि नामांकन वापसी की प्रक्रिया गलत हुई है, इसलिए चुनाव रद्द होना चाहिए। उनका कहना है कि मैं तो नाम वापसी की सूचना मिलने पर शाम पांच बजे कलेक्टोरेट गया था। पता चला कि किसी अदिति ने मेरे नाम का नामांकन वापसी आवेदन दिया है। झाला का आरोप है कि चुनाव में गलत प्रक्रिया अपनाई गई है। मेरे नामांकन फॉर्म को मैंने भरा ही नहीं, न ही उस पर मेरे हस्ताक्षर हैं और न ही मेरे प्रस्तावक ने उसे भरा है।

(साभार द सूत्र)

नाम वापस लेते हुए इन 30 सेकंड में क्या किया बम ने?

- बम जब रिटर्निंग अधिकारी के चेंबर में प्रवेश करते हैं, तो सबसे आगे मेंदोला होते हैं। इसके बाद जीतू यादव, अक्षय बम व अन्य होते हैं। बम आगे आते हैं और पहले से ही लिखा हुआ एक फॉर्म लेकर आते हैं, जो नामांकन वापसी का फॉर्म है।
- वह इसे जेब से निकालकर रिटर्निंग अधिकारी/कलेक्टर आशीष सिंह को देते हैं। अधिकारी द्वारा इसे चेक किया जाता है, साथ में खड़े सहायक को जांचने के लिए दिया जाता है और फिर स्वीकार कर लिया जाता है।
- बम 30 सेकंड में ही कक्ष से बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद वह बिना बात किए सीधे कलेक्टोरेट से चले जाते हैं। इसके तुरंत बाद ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की वह चर्चित सेल्फी ट्विटर (X) पर आती है, जिसमें उनके साथ बम और विधायक मेंदोला नजर आते हैं।
- बम अपनी एक याचिका में बीजेपी पर ही लगा चुके हैं आरोप
- उल्लेखनीय है कि खजराना के एक गैर इरादतन हत्या के मामले में हाई कोर्ट में बम ने जो याचिका लगाई थी, उसमें उन्होंने बीजेपी पर ही आरोप लगा दिए थे। शपथ पत्र में लिखा था कि वह चुनाव में प्रत्याशी थे और बीजेपी ने साजिश रची कि वह नाम वापस ले लें, इसलिए यह केस हुआ। आखिर वे इसमें सफल रहे और मैंने चुनाव से नाम वापस ले लिया। जब द सूत्र ने यह खुलासा किया, तब उन्होंने इस मामले में नया शपथ पत्र दिया और बीजेपी शब्द को हटा दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।